दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 08 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रात: 05 : 30 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 23 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 गरीबी घटने और आर्थिकी बढ़ने का सुकून

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 263 | गाजियाबाद, मंगलवार 08 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

जनगणना के दौरान नागरिक खुद विवरण जमा कर सकेंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। आगामी जनगणना के दौरान खुद से विवरण देने के लिए एक विशेष वेब पोर्टल शुरू किया जाएगा, जो राष्ट्रीय गणना प्रक्रिया के दोनों चरण के लिए उपलब्ध होगा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश की पहली डिजिटल जनगणना में गणनाकर्ता एंड्रॉयड और एप्पल मोबाइल फोन पर ऐप का इश्तेमाल करके नागरिकों के आंकड़े एकत्र करेंगे। यह देश में पहली बार होगा कि नागरिकों को एक विशेष वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं विवरण जमा करने का अवसर मिलेगा, जो जनगणना के दोनों चरण- मकान सूचीकरण और आवास जनगणना (एचएलओ) और जनसंख्या गणना के लिए उपलब्ध होगा। एक अधिकारी ने बताया, 'डिजिटल जनगणना पहल जनगणना प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। पहली बार, डेटा एकत्र करने और इसे केंद्रीय सर्वर पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजने के लिए प्रौद्योगिकी का इश्तेमाल किया जाएगा। इससे जनगणना डेटा की शीघ्र उपलब्धता होगी।'

न्यायालय मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के फैसले के खिलाफ 10 जुलाई को सुनवाई करेगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय निर्वाचन आयोग के बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करने के लिए सोमवार को राजी हो गया। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की 'आंशिक कार्य दिवस' पीठ ने कई याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल की अगुवाई में कई वरिष्ठ वकीलों की दलीलों को सुना और याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए राजी हुई। सिब्बल ने पीठ से इन याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग को नोटिस देने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा, ''हम बृहस्पतिवार को इस पर सुनवाई करेंगे।''

सेना, रक्षा मंत्री ने करगिल के नायक कैप्टन बत्रा को श्रद्धांजलि दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सेना ने 1999 के करगिल युद्ध के दौरान ''अदम्य साहस और वीरता'' का परिचय देते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले कैप्टन विक्रम बत्रा को सोमवार को श्रद्धांजलि देते हुए युद्ध में उनके पराक्रम को याद किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कैप्टन बत्रा को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि करगिल युद्ध के दौरान उनकी ''अद्वितीय बहादुरी और बलिदान'' राष्ट्र की सेवा में साहस का एक शानदार उदाहरण है। 'ऑपरेशन विजय' के तहत मिली जीत के इस साल 26 साल पूरे होंगे। इस ऑपरेशन के तहत भारतीय सैनिकों और अन्य कर्मियों ने जम्मू-कश्मीर में करगिल की बर्फीली पहाड़ियों पर पाकिश्तानी सेना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी थी। तब से भारतीय सेना 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस के रूप में मनाती है।

बिहार में 36 फीसदी मतदाता जमा कर चुके हैं गणना-फार्म

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सोमवार शाम तक 36 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के गणना फार्म प्राप्त किए जा चुके थे और 11 प्रतिशत से अधिक फार्म आयोग के ऐप ईआईसीनेट पर अपलोड किये गये हैं। चूनाव आयोग की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, ' बिहार में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का काम सुचारू रूप से चल रहा है। अब तक 2.88 करोड़ (36.47 प्रतिशत) गणना फार्म एकत्रित किये गये हैं तथा 11.26 प्रतिशत ईसीआई-नेट पर अपलोड किये जा चुके हैं। पिछले 24 घंटों में 1.18 करोड़ फार्म एकत्रित किये गये हैं।''

ब्रिक्स देशों का आतंकवाद पर सख्त रुख

पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

✷ वेबवार्ता. रियो डी जेनेरियो/नई दिल्ली ✷

ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सभी तरह के आतंकवाद से सख्ती से निपटने की प्रतिबद्धता जतायी है और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों तथा आतंकवादी गुटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आह्वान किया है।

ब्रिक्स देशों के 17 वें शिखर सम्मेलन में रविवार देर रात यहां जारी संयुक्त घोषणा पत्र में सभी सदस्य देशों ने आतंकवादी कृत्यों की जोरदार शब्दों में कड़ी निंदा की और वैश्विक संस्थाओं को समय की जरूरत के अनुसार अधिक समावेशी बनाने पर जोर देते हुए सतत शासन के लिए ग्लोबल साउथ सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया।

घोषणा पत्र में सदस्य देशों की ओर से कहा गया है, " हम आपसी सम्मान और समझ, संप्रभु समानता, एकजुटता, लोकतंत्र, खुलेपन, समावेशिता, सहयोग और आम सहमति की ब्रिक्स भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय, सांस्कृतिक और लोगों के बीच सहयोग के तीन श्तंभों के तहत विश्तारित ब्रिक्स में सहयोग को मजबूत करने और शांति, अधिक प्रतिनिधित्व, निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, एक पुनर्जीवित और सुधार पर आधारित बहुपक्षीय प्रणाली, सतत विकास और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के माध्यम से लोगों के लाभ के लिए रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं।"

उन्होंने वर्ष 2026 में भारत को ब्रिक्स की अध्यक्षता सौंपे जाने और भारत में 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया।

सदस्य देशों ने आतंकवाद को कतई न बर्दाश्त करने और आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों को खारिज करते हुए कहा दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए मिलकर काम करने की वचनबद्धता प्रकट की। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा , " हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वह किसी भी उद्देश्य से किया गया हो, जब भी, जहाँ भी और किसी के द्वारा भी किया गया हो। हम 22 अप्रैल 2025 को जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। हम आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही, आतंकवाद के वित्तपोषण और सुरक्षित पनाहगाहों सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।"

विशेष पुनरीक्षण की 'जनविरोधी' कवायद के खिलाफ संपूर्ण विपक्ष एकजुट : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि बहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की ''जनविरोधी'' कवायद के खिलाफ संपूर्ण विपक्ष एकजुट है और 10 विपक्षी दलों ने इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है।

उच्चतम न्यायालय निर्वाचन आयोग के बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करने के लिए सोमवार को राजी हो गया।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 9 अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे त्रुटिपूर्ण और विनाशकारी विशेष गहन पुनरीक्षण को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। यह एक ऐसा अभ्यास है जिसकी दुर्भावनापूर्ण और मनमानी प्रक्रिया के कारण भारी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की पूरी आशंका है।'' उन्होंने कहा कि संपूर्ण विपक्ष इस जनविरोधी कवायद के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा है।

खेड़ा का कहना था, ''इस मामले को सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार, 10 जुलाई, 2025 को सूचीबद्ध किया गया है। सत्यमेव जयते!''

इसरो ने आईएसएस पर मौजूद शुभांशु शुक्ला से छात्रों की कराई बात

✷ वेबवार्ता. चेन्नई ✷

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन(आईएसएस) पर गये भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से बातचीत कराने के लिए छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया है।

इसरो ने एक बयान में कहा कि गगनयात्री शुभांशु शुक्ला ने कुछ दिन पहले त्रिवेंद्रम और लखनऊ में आयोजित सत्रों में छात्रों के साथ संवाद किया। इसरो का उद्देश्य छात्र संपर्क गतिविधियों के माध्यम से अंतरिक्ष गतिविधियों, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग में युवा मन की जिज्ञासा को जगाना है।

इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) त्रिवेंद्रम के परिसर में आयोजित संवाद में केरल राज्य के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया।

इसी तरह उत्तर प्रदेश के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, लखनऊ के छात्रों ने भी संवाद में भाग लिया। लखनऊ में इस कार्यक्रम का समन्वय इसरो की टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) टीम द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने वीएसएससी में इसरो के वैज्ञानिकों के साथ संवादात्मक सत्रों में भाग लिया। उन्होंने अंतरिक्ष संग्रहालय का दौरा किया जिससे उन्हें इसरो की उपलब्धियों और भविष्य के योजनाबद्ध मिशनों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

इसी तरह छात्रों ने लखनऊ में इसरो के निदेशक इसरो के वैज्ञानिकों और गगनयात्री अंगद प्रताप के साथ संवादात्मक सत्रों में भाग लिया। ये कार्यक्रम युवा पीढ़ी में अंतरिक्ष गतिविधियों के बारे में जागरूकता लाने के इसरो के प्रयासों में एक हैं जो उन्हें भविष्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण करियर अपनाने तथा विकसित भारत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।

सपाट पिच और ड्यूक्स बॉल इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट के सार को खत्म कर रहा है : गिल

✷ वेबवार्ता. बर्मिंघम ✷

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि सपाट पिचों और ड्यूक्स गेंद का संयोजन इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट के सार को खत्म कर रहा है। इंग्लैंड को 336 रनों से हराने के बाद परिस्थितियों को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में गिल ने कहा, "गेंदबाजो के लिए यह बहुत मुश्किल हो जाता है। जब विकेट से भी ज्यादा, गेंद बहुत जल्दी नरम और खराब हो जाती है।

मुझे नहीं पता कि यह क्या है मौसम, विकेट या कुछ और लेकिन गेंदबाजों के लिए इन परिस्थितियों में विकेट लेना बहुत कठिन हो जाता है। एक टीम के रूप में, जब आपको पता होता है कि विकेट लेना मुश्किल है और रन आसानी से बन रहे हैं, तो ऐसे में बहुत सी चीजें आपके नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं।"

गिल ने एजबेस्टन में दो पारियों में 269 और 161 रन बनाने को लेकर कहा, "कभी-कभी, विशेषकर जब आप कप्तान होते हैं, तो मुझे लगता है कि आपको उदाहरण पेश करना होता है ताकि जब भी कोई दूसरा खिलाड़ी उस स्थिति में हो, तो आप उस खिलाड़ी को निर्देश दे सकें।

'यही टीम को अभी चाहिए और आपको हमेशा अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं के बजाय टीम को पहले रखना चाहिए।' या कभी-कभी आप कुछ चीजे आजमाना चाहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप टीम को अपने से आगे रखते हैं, तो आप हमेशा सही दिशा में या सही राश्ते पर चलेंगे और यही मैं इस मैच में करना चाहता था। जब मैं मैदान पर हूं यथासंभव लंबे समय तक खेलना चाहता हूं। जब तक कोई अच्छी गेंद मुझे आउट कर देती है। "

भारत की बल्लेबाजी की पूरी ताकत को देखने के बाद गिल ने मजाक में कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि इंग्लैंड फिर से इतनी सपाट पिच बनाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें मध्य ओवरों के दौरान कुलदीप यादव की कलाई की स्पिन की कमी खलती है। उन्होंने कहा कि उनके लिए कुलदीप जैसी गुणवत्ता वाले गेंदबाज को बाहर रखना आसान नहीं था, लेकिन उन्हें लगा कि उन्हें थोड़ी गहराई की आवश्यकता है जो वॉशिंगटन सुंदर दे सकते थे और उन्होंने दी भी।

भारत को इतने लंबे टेस्ट मैच खेलने की आदत नहीं है। घरेलू पिचों पर स्पिन को मदद मिलती है और जब भारत बाहर खेलता है तो उसे हरी घास वाली पिच मिलती है। उन्होंने कहा, "निश्चित रूप से इससे हमें बहुत मदद मिली।

मैं कहूंगा कि भारत में जब हम खेलते हैं तो अधिकतर टेस्ट मैच पांच दिन तक नहीं चलते। लेकिन सौभाग्य से जब हम यहां खेलते हैं तो ज्यादातर दिन हम बल्लेबाजी करते हैं और क्षेत्ररक्षण नहीं करते, इसलिए यह हमारे लिए अच्छा है। पहली पारी में भी, मुझे लगता है कि हमने लगभग 90 ओवर क्षेत्ररक्षण किया, जो लगभग एक दिन के बराबर है। इसलिए मुझे लगता है कि यह अच्छा है। मुझे लगता है कि सीरीज में भी, आने वाले मैचों में अगर आप लगातार रन बनाने में सक्षम हैं और 400 या 300 के आसपास का स्कोर बनाते हैं, तो हम हमेशा खेल में बने रहेंगे।"

राहुल वीडियो मामले में दिल्ली में भी प्राथमिकी दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की सैनेटरी पैड वीडियो से जुड़े विवाद को लेकर यहां एक शिकायत दर्ज की गई है जिसे मिलाकर देशभर में इस मुद्दे में अब तक तीन शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। युवा कांग्रेस के अनुसार यह शिकायत संगठन के अध्यक्ष उदय भानु चिब, बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्ण अल्लावरु, लीगल सेल के चेयरमैन रूपेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में यहां मंदिर मार्ग पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है। युवा कांग्रेस लीगल सेल दिल्ली के अध्यक्ष विवेक पुनिया द्वारा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से एक समानांतर शिकायत भी प्रश्तुत की गई है।

कांग्रेस के युवा संगठन ने कहा है कि श्री गांधी को बदनाम करने और महिलाओं की गरिमा का उपहास करने के मकसद से फैलाए जा रहे इस वीडियो को प्रसारित किया जा रहा है। उनका कहना था कि वीडियो को समन्वित और दुर्भावनापूर्ण तरीके से फैलाया जा रहा है और कांग्रेस का हर संगठन डिजिटल अभियान का के जरिए हर श्तर पर इस कार्रवाई का कानूनी जवाब देगा।

इससे पहले रविवार को तेलंगाना तथा कर्नाटक में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एक प्राथमिकी तेलंगाना राज्य लीगल सेल अध्यक्ष अधिवक्ता जे. शिवा चरण रेड्डी और समन्वयक अधिवक्ता गुडूर निखिल रेड्डी के नेतृत्व में अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कर्नाटक में, बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। युवा संगठन का कहना है कि 05 जुलाई को बिहार में सेनेटरी पैड वितरित करने के सामाजिक कल्याण अभियान से जुड़ी एक छेड़छाड़ वाली वीडियो (डॉक्टर्ड इमेज) और अश्लील वीडियो, जिसमें श्री गांधी को निशाना बनाया गया।

यूपी के हर गांव का बच्चा 'शुभांशु शुक्ला' बनेगा, योगी सरकार अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की पौध कर रही तैयार

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

योगी सरकार ने प्रदेश के हर ब्लॉक के बच्चों को अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। योगी सरकार प्रदेश में अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की पौध तैयार करने के लिए ब्लॉक श्तर पर सरकारी स्कूलों में एस्ट्रो लैब्स तैयार कर रही है।

सीएम योगी के निर्देश पर वर्तमान में प्रदेश के कई जिलों के ब्लॉक के सरकारी स्कूलों में पीपीपी मॉडल पर एस्ट्रो लैब बनकर तैयार भी हो गई हैं, जहां बच्चे केवल किताबों से ही नहीं, बल्कि टेलीस्कोप समेत अन्य उपकरणों के जरिए अंतरिक्ष के रहस्यों से रूबरू हो रहे हैं।

ऐसे में वह दिन दूर नहीं, जब प्रदेश का हर बच्चा शुभांशु शुक्ला की तरह अंतरिक्ष की उड़ान भर सकेगा और अपने सपनों को पंख दे सकेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और तकनीक-समर्थ शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। सीएम योगी के इसी विजन को एस्ट्रो लैब्स साकार कर रही है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र अंतरिक्ष, प्रकाश, गुरुत्वाकर्षण जैसे जटिल सिद्धांतों को समझ पा रहे हैं। योगी सरकार ने इस एस्ट्रो लैब्स को 'अमृत काल लर्निंग सेंटर्स' का नाम दिया है।

इसे पीपीपी मॉडल पर तैयार किया जा रहा है।

सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश के कई ब्लॉक के सरकारी स्कूलों में एस्ट्रो लैब्स बनकर तैयार हैं। यहां बच्चों का डॉबसोनियन टेलीस्कोप, पीआर हेडसेट, माइक्रोस्कोप और मानव शरीर रचना मॉडल जैसे अत्याधुनिक उपकरणों के जरिए ज्ञान बढ़ाया जा रहा है। इतना ही नहीं शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम, वीडियो गाइड और मेंटरशिप की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ा जा सके।

बलिया के जिलाधिकारी मंगला प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बलिया के सभी 17 ब्लॉकों में विज्ञान एवं खगोलशास्त्र प्रयोगशालाएं स्थापित

योगी सरकार के कार्यकाल में रजिस्ट्री की संख्या तीन गुना बढ़ी, दादरी में खुलेगा नया रजिस्ट्री कार्यालय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उत्तर प्रदेश के स्टांप पंजीयन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार जनता की सहूलियत और कारोबार सुगमता बढाने को कटिबद्ध है तथा कानून व्यवस्था बेहतर होने के कारण आज प्रदेश निवेशकों को आकर्षित कर रहा है जिससे रजिस्ट्री में तेजी आयी है।

उन्होंने बताया कि पिछले आठ साल में उत्तर प्रदेश में दर्ज किए जाने वाले रजिस्ट्री विलेखों की औसत संख्या बढ़ कर तीन गुना हो गयी है और दादरी में एक नया रजिस्ट्रीय कार्यालय खोला जा रहा है।

जज के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलना आपराधिक कृत्य, कार्रवाई जरूरी : धनखड़

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के घर से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि किसी न्यायाधीश के विरूद्ध संवैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है लेकिन इसे समाधान नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने कहा है कि यह आपराधिक कृत्य है और इस तरह के मामलों में कार्रवाई किया जाना जरूरी है।

श्री धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, कोच्चि में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ संवाद के दौरान कहा,"संवैधानिक प्रावधानों के तहत किसी न्यायाधीश के विरुद्ध कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है,लेकिन यह समाधान नहीं है।

हम लोकतंत्र होने का दावा करते हैं और वाश्तव में हैं भी। दुनिया हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में देखती है,जहाँ कानून का शासन और कानून के समक्ष समानता होनी चाहिए। "

उन्होंने कहा कि इसका तात्पर्य यह है कि हर अपराध की जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले से संबंधित न्यायाधीश का नाम लिए बिना कहा कि यदि धनराशि इतनी अधिक है तो कई सवाल उठते हैं जिनका पता लगाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा," यह जानना आवश्यक है कि क्या यह काला धन है? इसका स्रोत क्या है? यह किसी न्यायाधीश के सरकारी आवास में कैसे पहुंचा? यह धन किसका है?"

इस घटनाक्रम में कई दंडात्मक प्रावधानों के उल्लंघन का उल्लेख करते हुए उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जायेगी। उन्होंने कहा," मुझे आशा है कि एफआईआर दर्ज की जाएगी।

पत्रकार सम्मेलन का अयोजन

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। बीते दिवस दोपहर 12 बजे मन्नत वेंकट हॉल धामपुर में पत्रकार एकता

सम्मलेन पत्रकार प्रेस परिषद (भारत) के बैनर तले आयोजित किया गया। जिसमे देव भूमि हल्द्वानी से मुख्य अथिति अशोक गुलाटी उत्तर प्रदेश उत्तराखंड पत्रकार प्रेस परिषद (भारत) के वरिष्ठ पत्रकार तथा क्षेत्र के अन्य पत्रकार भी उपस्थित रहे। प्रोग्राम के मंच पर उपस्थित पत्रकारों ने अपने-अपने विचार प्रकट किये। संचालन इरशाद मंसूरी नें किया। मौजूद व्यक्तियों में आसिफ़ अली, एडवोकेट शैलेंद्र, राकेश कुमार,सुशील रश्तोगी, शाकिर अंसारी, नजम सिद्दीकी, रविंद्र कुमार, मोहित कुमार,दलजीत सिंह, राकेश कश्यप, आलम खान, साकिब शेख, दिलशाद अंसारी, रविनाथ,अर्श मलिक, इमरान उस्मानी, जफर इकबाल, जुबेर हसन, इमरान उस्मानी, मोहम्मद अज़हर, तनवीर राणा राजीव गुप्ता टनकपुर, संजय सागर आदि उपस्थित रहे।

संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा आरएम को सौंपा ज्ञापन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा के संयोजक विवेक वशिष्ठ के नेतृत्व में संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय प्रबंधक राज्य सड़क परिवहन निगम अलीगढ़ को ख़ैर नगर में अलीगढ़ पलवल रोड़ स्थित परिवहन विभाग द्वारा बस स्थान के निर्माण कार्य में निर्माण दायीं संस्था द्वारा बरती जा रही लापरवाही मानक के अनुरूप उक्त फर्म द्वारा निर्माण कार्य न किए जाने व उक्त जमीन की पूरी पैमाइश न किए जाने को लेकर ज्ञापन प्रेषित किया, इससे पूर्व भी मोर्चा उपजिलाधिकारी ख़ैर को ज्ञापन प्रेषित कर चुका है तीन दिवस में घटिया निर्माण की जांच न की गई तो संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा आंदोलन को बाध्य होगा। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से मोर्चा संस्थापक जितेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा नरेंद्र चौधरी, ब्लाक अध्यक्ष टप्पल मोहन शर्मा, जगवीर शर्मा, करूआ पंडित, विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रो. आफताब आलम एएमयू के अध्ययन संकाय के डीन नियुक्त

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के रणनीतिक और सुरक्षा अध्ययन विभाग के प्रो. आफताब आलम को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संकाय का डीन नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए की गई है जो 7 जुलाई 2025 से प्रभावी होगी। प्रो. आफताब आलम वर्तमान में रणनीतिक और सुरक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष हैं। वे अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर हैं उन्होंने एएमयू से राजनीति विज्ञान में एमए, एम.फिल. और पीएच.डी. की डिग्रियाँ प्राप्त की हैं, साथ ही यूनिवर्सिटी ऑफ एसेक्स, यूके से एल.एल.एम. (अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून) में भी डिग्री प्राप्त की है। उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रतिष्ठित चीवेनिंग स्कॉलरशिप भी प्रदान की गई थी। प्रो. आलम को 25 वर्षों से अधिक का शिक्षण और शोध अनुभव प्राप्त है। उन्होंने मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में कई एम.फिल. और पीएच.डी. शोधार्थियों का निर्देशन किया है। वे अल्पसंख्यकों के शैक्षणिक अधिकारों पर आधारित यूजीसी प्रायोजित एक प्रमुख शोध परियोजना का नेतृत्व कर चुके हैं।

संचारी रोग नियंत्रण को सीएमओ ने की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नीरज त्यागी की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के संचालन एवं प्रगति के बारे में बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि 01 जुलाई से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 जुलाई से दशतक अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागीय अधिकारी अन्तर्विभागीय समन्वय के साथ विभिन्न गतिविधियों को संचालित करते हुए अभियान को सफल बनाएं।

मानसी और नंदिनी बन करते थे प्यार की बातें, शादी के नाम पर ठगने वाले 2 लोग दबोचे

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने सोशल मीडिया पर लड़की बनकर दोस्ती और शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक युवक को अपने प्रेम जाल में फंसाकर उससे साढ़े चार लाख रुपये की ठगी की थी।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सूरजपुर कस्बे में एक मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवक ने पुलिस से शिकायत की थी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि एक युवक ने लड़की बनकर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप के माध्यम व भिन्न-भिन्न मोबाइल नंबरों से संपर्क करते हुए खुद को अविवाहित लड़की बताकर विवाह का प्रस्ताव दिया। पीड़ित को विश्वास में लेकर मेडिकल इमरजेंसी, पारिवारिक संकट, शादी की तैयारी आदि बहाने बनाकर करीब 4,50,000 रुपये की ठगी कर ली गई। इसके बाद दो युवक उससे मिलने आए और गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देते करीब बीस हजार रुपये लेकर भाग गए। पीड़ित की शिकायत

पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज किया और मोबाइल की कॉल डिटेल और सर्विलांस की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान अमित उर्फ आरव निवासी केशवपुरम, दिल्ली और मोहम्मद रिजवान निवासी पीतमपुरा दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल और एक बाइक बरामद की है। पुलिस को पीड़ित ने बताया था कि वह एक मेडिकल स्टोर पर नौकरी करता है। आरोपियों ने उसकी कई साल की कमाई हड़प ली। वह धीरे-धीरे कर अपनी शादी के लिए पैसे जोड़ रहा था। उसने सैलरी के पैसे इकट्ठे किए थे। आरोपियों ने एक झटके में उसका सारा पैसा हड़प कर लिया। घटना के बाद से पीड़ित काफी परेशान हैं।

पकड़े गए आरोपी अमित और रिजवान पीड़ित से मानसी और नंदिनी बनकर बात करते थे। मानसी, संजू व नंदनी के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बना रखी थी। पुलिस के मुताबिक, अमित दिल्ली में फास्ट फूड की स्टाल लगाता है, जबकि रिजवान बीए की पढ़ाई कर रहा है। दोनों ने मिलकर युवक को जाल में फंसा कर ठगी की थी। पुलिस के मुताबिक अमित व रिजवान ने इंस्टाग्राम पर पीड़ित से दोस्ती कर शादी का झांसा दिया था। इसके बाद पीड़ित से ऑनलाइन पैसा मांगना शुरू कर दिया। जब पीड़ित द्वारा शादी करने की जिद की गई तो आरोपियों द्वारा कथित लड़कियों के भाई बनकर गंदी बात करने को लेकर जेल भिजवाने की धमकी दी गई। पीड़ित से मिलकर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए 20 हजार रुपये लिए गए थे। ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वह सोशल मीडिया पर अजनबी व्यक्तियों से दोस्ती करते समय अत्यधिक सतर्कता बरतें।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर को हिंदू होने पर है गर्व, वीडियो शेयर कर समझाया

तिरूवंतपुरम एजेंसी।
कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे हिंदू धर्म के बारे में बात करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में उन्होंने कहा कि उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। उन्होंने हिंदू धर्म को 33 करोड़ दिव्य रूपों की आस्था और स्वीकृति में निहित धर्म बताया है।

वीडियो में, थरूर ने हिंदू धर्म को एक ऐसी आस्था बताया है जो बेहद व्यक्तिगत है और कठोर संरचनाओं से मुक्त है। शशि थरूर ने वीडियो में कहा, मैं एक हिंदू हूं और यह मूल रूप से मेरे और मेरे निर्माता की मेरी अवधारणा के बीच है। ऐसे 33 करोड़ तरीके हैं जिनसे आप ईश्वर का नाम ले सकते हैं और उनकी कल्पना कर सकते हैं। अपने हिसाब से चुनें, जो आपको पसंद हो, आधा दर्जन या एक दर्जन चुनें...हमारे पास कोई हिंदू पोप नहीं है, कोई रविवार नहीं है, और आप सचमुच सप्ताह के किसी भी दिन अपने देवता उनके लिए उपवास कर सकते हैं या उनके लिए प्रार्थना कर सकते हैं या जो भी आप चाहें कर सकते हैं।

वीडियो को सबसे पहले एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यूजर सिमरन भाटिया ने पोस्ट किया। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, हिंदू धर्म को पूरी तरह से समझने वाले व्यक्ति शशि थरूर। यह सच है कि हिंदू धर्म कठोर नहीं है, ईश्वर से जुड़ने के अनंत तरीके हैं और यह भी उतना ही सच है कि हिंदू धर्म सभी को आत्मसात करता है और इसमें अतिवाद और कट्टरता के लिए कोई जगह नहीं है, ठीक कहा सर।

वीडियो में, कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि उन्हें स्वामी विवेकानंद की तरह हिंदू होने पर गर्व है, उन्होंने कहा कि यह किसी हिंदुत्व कट्टरपंथी का गर्व नहीं है। उन्होंने आगे कहा, आप यह भी तय कर सकते हैं कि आपको निर्गुण ब्रह्म का विचार पसंद है। ईश्वर बिना रूप, बिना गुण, बिना आकार के हैं। इसलिए हिंदू धर्म द्वारा आपको दिए जाने वाले ये सभी विकल्प, मेरे विचार से, बिल्कुल अद्भुत हैं। इस अर्थ में, मुझे हिंदू होने पर बहुत गर्व है, और मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है।

बादलों की दस्तक से डगमगाया राजस्थान, जयपुर में जलजमाव तो श्रीगंगानगर में हादसा

जयपुर एजेंसी। राजस्थान में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार सुबह से राजधानी जयपुर में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। बारिश के चलते शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 2 जिलों में ऑरेंज और 22 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश का यह सिलसिला आने वाले दिनों में और तेज हो सकता है। रविवार को प्रदेश में बारिश की रफ्तार कुछ धीमी जरूर हुई, लेकिन राहत की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर और जोधपुर संभाग में रविवार को हल्की धूप खिली, जिससे तापमान में 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी का दौर जारी रहा। माउंट आबू में रविवार सुबह 5 से 7 बजे के बीच हल्की बारिश हुई, जिससे ठंडक का अहसास हुआ। वहीं, श्रीगंगानगर जिले के श्रीविजयनगर में शनिवार रात बड़ा हादसा हो गया। रात करीब 11:30 बजे तेज बारिश के बीच दो मकानों की छत गिर गई, जिसमें 5 साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए। बूंदी जिले के नमाना क्षेत्र में भी बारिश ने खतरा बढ़ा दिया। श्यामू पुलिया पर करीब दो फीट तक पानी भर गया, जिससे एक कार उसमें फंस गई और घोड़ा पछाड़ नदी में बह गई। गनीमत रही कि कार में सवार पिता-पुत्र समय रहते बाहर निकल आए। बाद में क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला गया। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश का अगला दौर और अधिक असरदार हो सकता है। पश्चिम बंगाल के ऊपर बना एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन अब उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से 8 और 9 जुलाई से जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में फिर से तेज बारिश शुरू हो सकती है।

पाकिस्तानी जासूस ज्योति पर बड़ा खुलासा किसके बुलाने पर गई केरल; उठ रहे सवाल

चंडीगढ़ एजेंसी।
हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा को लेकर नया खुलासा हुआ है। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में बंद ज्योति केरल सरकार के बुलावे पर वहां गई थी। यह बात सामने आई है एक आरटीआई में। इसके मुताबिक ज्योति मल्होत्रा केरल टूरिज्म डिपार्टमेंट के ऑफिशियल डिजिटल कैंपेन का हिस्सा थी। अपने यूट्यूब चैनल ट्रैवल विद जो के लिए जानी जाने वाली ज्योति को केरल सरकार ने चुना था। केरल सरकार ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंशर्स के बीच से उसको चुना था। ज्योति का काम केरल को ग्लोबल ट्रैवल डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट करना था।

ज्योति के साथ केरल सरकार ने कोलैबोरेशन किया था। इस तरह सरकार उसके ट्रैवेल, ठहरने समेत विभिन्न खर्च उठाती थी। साल 2024 से 2025 के बीच ज्योति केरल की विभिन्न जगहों पर गई। इसमें कन्नूर, कोझिकोड, कोच्चि, अलापुझा और मुन्नार शामिल हैं। ज्योति ने जो कंटेंट बनाए, उसे बड़ी संख्या में लोगों ने देखा। लेकिन पाकिस्तान से जासूसी के आरोपों ने ज्योति मल्होत्रा की केरल

यात्रा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ज्योति के ऊपर आरोप हैं कि उसने पाकिस्तान की कई बार यात्रा की थी। इसके अलावा पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों से संपर्क रखने के आरोप भी उसके ऊपर हैं।

भारत में पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों से उसके संबंधों पर भी सवाल हैं। बताया जाता है कि ज्योति से जुड़ा यह खुलासा होने के बाद पाकिस्तानी अधिकारी को निकाल दिया गया है। ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद देशभर में छापेमारी हुई है। इसमें कुल 12 संदिग्ध पकड़े गए हैं। यह संदिग्ध पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से संबंध रखने वाले हैं। बताया जाता है कि यह सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और इंफ्लुएंसर नेटवर्क का इस्तेमाल खुफिया सूचना जुटाने में करते थे।

हमारे इलाके में पूछ लीजिए हमारी शराफत, विनेश फोगाट के इलाके में पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह

चंडीगढ़ एजेंसी।
महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों में घिरे भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह रविवार को हरियाणा के चरखी दादरी के गांव बौंद कलां में एक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहलवान रचना परमार को सम्मानित किया। यह इलाका विनेश फोगाट के गृह जिले का था, जहां बृजभूषण के दौरे का कई खाप पंचायतें और किसान संगठन विरोध जता रही थीं। वहीं, राजपूत महासभा ने कार्यक्रम के समर्थन में बयान जारी करते हुए 36 बिरादरी से भाईचारा बनाए रखने की अपील की थी और विरोध करने वालों

को चेतावनी दी थी।

पुलिस प्रशासन ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। समारोह में सांसद धर्मबीर, विधायक सुनील सांगवान व योगेश्वर दत्त भी मौजूद रहे। बृजभूषण शरण ने खाप पंचायतों व किसान संगठनों द्वारा दादरी आगमन को लेकर जताए जा रहे विरोध को नजरअंदाज किया और वे करीब ढाई घंटे दादरी में रहे। इस दौरान बृजभूषण शरण ने शायराना अंदाज में कहा कि इतने गहरे घाव कहां से आए होंगे, कभी उसने भी दोस्त बनाए होंगे। बृजभूषण ने शायरी से खाप व विनेश पर अप्रत्यक्ष पर रूप से निशाना साधा। कांग्रेस व खापों के विरोध पर उन्होंने कहा कि जिनका जो काम हैं, वे करते रहेंगे। जो हम हैं, हमारी शराफत का परिचय हमारे इलाके में जाकर पूछ लेना।

बृजभूषण ने कहा कि ओलंपिक में अभी तक कुश्ती में भारत का गोल्ड मेडल नहीं आया है, लेकिन गोल्ड का सूखा खत्म होगा और हरियाणा का ही कोई सपूत इस उपलब्धि को हासिल कर भारत के लिए गोल्ड मेडल लाने का काम करेगा और इसकी जिम्मेदारी योगेश्वर दत्त की होगी। उन्होंने कहा वे हरियाणा से प्यार करते थे और करते रहेंगे।

चरखी दादरी जिले में बृजभूषण शरण सिंह के दौरे को लेकर खाप पंचायतें और किसान संगठन भड़क थे। उनका कहना था कि बृजभूषण ने विनेश फोगाट व दूसरे महिला खिलाड़ियों का अपमान किया है। दादरी जिला विनेश का गृह जिला है, ऐसे में बृजभूषण का दादरी आना जनभावनाओं के विरुद्ध है, इसलिए बृजभूषण का विरोध किया जाना चाहिए। उन्होंने बृजभूषण के साथ कार्यक्रम में शिरकत करने पर सांसद और विधायक को चुनावी नतीजे भुगतने की चेतावनी भी दी थी।

गाजियाबाद में पेपर फैक्ट्री-होटल में आग लगने से मचा हड़कंप

गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के साहिबाबाद इलाके में आज सुबह आग लगने की दो बड़ी घटनाओं से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की पहली घटना एक पेपर फैक्ट्री में हुई और दूसरी घटना होटल से सामने आई। दोनों ही जगहों पर अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बताया जा रहा है कि आग लगने के समय होटल में कई लोग मौजूद थे, जिन्हें समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दमकल की टीमें आग बुझाने के काम में जुटी हैं।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद के साहिबाबाद लिंक रोड इंडस्ट्रियल एरिया की एक पेपर फैक्ट्री में सोमवार तड़के आग लग गई। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की 18 गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी हैं। आग बुझाने का काम जारी है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल सका है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

वहीं, साहिबाबाद स्थित होटल प्लूटो में भी सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। चार मंजिला इस इमारत में आग लगने से चीख-पुकार मच गई। इस घटना में कई लोग बाल-बाल बच गए। दमकल टीम ने पांच फायर टेंडर की मदद से एक घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने के समय होटल में कई लोग मौजूद थे, सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

केवल सोशल मीडिया पर है... महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी विवाद होने से आदित्य ठाकरे का इनकार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में चल रहे हिंदी बनाम मराठी विवाद पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने अपनी राय रखी है। ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में किसी भी तरह का कोई भाषा विवाद नहीं है। यह सब मीडिया और सोशल मीडिया पर है, यहां जमीन पर कोई विवाद नहीं है। विवाद केवल कक्षा एक के छात्रों पर तीन भाषाओं के बोझ के बारे में तीसरी भाषा हिंदी क्यों होनी चाहिए इसके बारे में था। हम हिंदी के थोपने के विरोध में हैं। महाराष्ट्र में बढ़ते भाषा विवाद पर मीडिया से बात करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, मुझे लगता है कि यह विवाद केवल पक्षपातपूर्ण मीडिया और सोशल मीडिया पर ही है। इसके अलावा महाराष्ट्र में हिंदी बनाम मराठी जैसी कोई बात नहीं है। यहां पर विवाद केवल कक्षा एक के छात्रों पर तीन भाषाओं के बोझ के बारे में था। हमारा तर्क केवल यह था कि आखिर तीसरी भाषा हिंदी ही क्यों होनी चाहिए.. हम हिंदी भाषा के थोपे जाने के विरोध में हैं। आदित्य ने महाराष्ट्र में मराठी भाषा की अस्मिता को लेकर कहा, विवाद की पूरी वजह यह भी है कि हम अपने राज्य में अपनी मातृभाषा का अपमान नहीं सहेंगे.. बाकी महाराष्ट्र में कई भाषाएं बोली जाती हैं।

इच्छा जताने में तो कोई बुराई नहीं है; सीएम बनाने की मांगों पर बोले डीके शिवकुमार

बैंगलूरू एजेंसी।
कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की रेस फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है। अब राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का कहना है कि वह संतों और पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छा का सम्मान करते हैं। दरअसल, रांबापुरी पीठ के संत राजदेशीकेंद्र शिवाचार्य ने कहा कि कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की शानदार जीत के बाद शिवकुमार को और अधिक प्रमुख भूमिका मिलनी चाहिए थी।

वहीं, शिवकुमार ने संयमित रुख अपनाते हुए कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं और संतों की इच्छाओं का सम्मान करते हैं लेकिन वह कांग्रेस आलाकमान के निर्णय का पालन करेंगे। शिवकुमार कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी हैं। राजनीतिक हलकों, विशेष रूप से सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर कुछ समय से इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री पद में बदलाव हो सकता है। इसका कारण मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

के बीच हुए कथित सत्ता साझाकरण समझौते को बताया जा रहा है। रविवार को कनकपुरा तालुक में सिद्धेश्वरस्वामी पहाड़ियों पर नव-निर्मित सीढ़ियों के उद्घाटन कार्यक्रम में संत ने शिवकुमार की संगठनात्मक क्षमताओं और कर्नाटक में कांग्रेस को सत्ता में लाने में उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा, 'उन्हें (शिवकुमार को) पिछले विधानसभा चुनावों के बाद और ऊंचा पद मिलना चाहिए था। ईश्वर करें कि आने वाले दिनों में उन्हें और बड़ा पद प्राप्त हो।' राजदेशीकेंद्र शिवाचार्य ने यह भी कहा कि नेतृत्व को लेकर कांग्रेस के भीतर क्या आंतरिक समझौता हुआ था, इसकी जानकारी केवल राष्ट्रीय नेतृत्व, मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और शिवकुमार को ही है। उन्होंने कहा, 'नेताओं को अपने वचन का सम्मान करना चाहिए। अगर चुनाव से पहले कोई समझौता हुआ था तो उसका पालन होना चाहिए। बिना उस वादे को पूरा किए शिवकुमार से कांग्रेस प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष पद छोड़ने को कहना सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है।' शिवकुमार ने इसके जवाब में कनकपुरा के कोडिहल्ली स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से कहा कि वह जनता और संतों की भावनाओं का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, 'पार्टी कार्यकर्ताओं, संतों या आम जनता द्वारा अपनी इच्छाएं व्यक्त करना गलत नहीं है लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हमसे इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बोलने से मना किया है। हम पार्टी के फैसले का पालन करेंगे।'

नेतृत्व को लेकर संत शिवाचार्य के समर्थन और किसी संभावित समझौते के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं इस बारे में खुलकर क्यों बात करूं? यह मेरे और पार्टी के बीच का मामला है। हम सभी मिलकर काम कर रहे हैं।'

हादसे में पिता की मौत मामले में रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र की विकास नगर कालोनी में रहने वाले युवक के पिता रामचरण की 29 जून को बंथला चिरोड़ी स्थित पहलवान ढाबे के सामने हुए सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। हादसे में पिता को काफी चोट आई थी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ति के परिजन की शिकायत पर रविवार रात रिपोर्ट दर्ज की गई है।

लावारिस कुत्तों की नसबंदी कराने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। शास्त्रीनगर और बागवाली कॉलोनी में लावारिस कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने कुत्तों की नसबंदी कराने की मांग की है। कुत्ते बच्चे और महिलाओं पर आए दिन हमला कर रहे हैं। इस कारण लोगों में दहशत हैं। शास्त्रीनगर निवासी हरपाल कुमार ने बताया कि कुत्ते झुंड बनाकर गलियों में घूमते हैं और लोगों पर हमला भी कर रहे हैं। उन्होंने निगम के अफसरों से कुत्तों की नसबंदी जल्द कराने की मांग की है।

पति ने विवाहिता को जिंदा जलाया, पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। नगर में एक पति द्वारा पत्नी को जिंदा जला दिया। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। घटना धामपुर थाना क्षेत्र के नौरंगाबाद की है। मृतका के भाई विकास राजपूत ने बताया कि उनकी बहन वंदना की शादी चंद्रशेखर से 25 वर्ष पहले हुई थी। शादी के बाद से ही चंद्रशेखर वंदना के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार करता था। कई बार पंचायतें भी हुईं, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। 5 जुलाई की शाम को चंद्रशेखर ने वंदना के साथ मारपीट की। उसके बाद उसे कमरे में बंद कर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आग लगा दी। परिजनों ने शोर सुनकर वंदना को बचाया और आग बुझाई। गंभीर रूप से झुलसी वंदना को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान वंदना की मौत हो गई। आरोपी पति को हिरासत में ले लिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राक्षस प्रवृत्ति के पति के विरुद्ध परेशान महिला ने पुलिस से मागा न्याय

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷। पति के उत्पीड़न से परेशान होकर रंजो पत्नी भोपाल निवासी ग्राम तकीपुरा थाना हल्दौर ने थाने पहुंचकर दी गई तहरीर में बताया कि रोजाना शराब पीकर मारता पीटता है । इतना ही नहीं कपड़े फाड़कर अर्धनग्न अवस्था में पीटता हुआ गांव में घूमाता है। शराबी पति ने घर का सारा सामान बेच दिया। यहां तक कि पत्नी के पैर की उंगलियों बिछावें तक निकालकर बेच दिए है। पत्नी दिन में बिजनौर में नौकरी करती है शाम अपने घर आ जाती है ।पत्नी की तनख्वाह भी शराब में ही उड़ा देता है ।सोमवार को उत्पीड़न की हद पार होने पर पीड़िता ने थाने पहुंचकर शराबी पति के खिलाफ तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।

भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक की बैठक संपन्न

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक की एक मासिक पंचायत संपन्न हुई जिसमें किसानों के लिए विभिन्न मुद्दों पर विचार मत विमर्श किया गया। स्थानीय ब्लाक परिसर स्थित डबाकरा हाल में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक की एक मासिक पंचायत यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष महल सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई पंचायत में संगठन का विश्तार करने मजबूत सक्रियता बनाएं रखने पर ज़ोर दिया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष महल सिंह ने किसानों से समस्याओं के बारे में जानकारी हासिल कर समस्याओं के निश्तारण हेतु विचार विमर्श किया गया। पंचायत में ब्लॉक अध्यक्ष महल सिंह के अलावा तहसील अध्यक्ष दर्शन सिंह फौजी, महेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह, कुलविंदर सिंह, घनश्याम सिंह, चंद्रपाल सिंह उर्फ भूरे, विजयपाल सिंह, कमल सिंह, गजराज सिंह, लखपत सिंह, शिवकुमार आदि दर्जनों किसान मौजूद थे।

मटोरामान मे मोहर्रम के अखाड़े का ग्राम प्रधान अतीक अंसारी,भावी जिपं सदस्य इरफान अलवी ने उदघाटन किया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। गांव मटौरामान में दसवीं के मोहर्रम पर अखाड़ा निकाला गया। अखाड़े में युवकों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए।जानकारी के अनुसार गांव मटौरा मान में दसवीं के मोहर्रम के मौके पर अखाड़ा निकाला गया। अखाड़े का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य दावेदार इरफान अल्वी व ग्राम प्रधान आजाद समाज पार्टी के नहटौर विधानसभा अध्यक्ष अतीक अंसारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अखाड़े में युवकों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। अखाड़ा गांव के निर्धारित मार्गो से निकाला गया। अखाड़ा देखने के लिए भीड़ जमा रही।अखाड़ा कमेटी के पदाधिकारियो को इरफान अल्वी व अतीक अंसारी ने पगड़ी बांधकर सम्मानित भी गया।इस मौके पर शेर अली इदरीसी जहीर अली जाकिर अली हनीफ अल्वी सांवर अंसारी आदि कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

भिकावाला विद्या मंदिर में रामगंगा फाउंडेशन ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। भिक्कावाला विद्या मंदिर स्कूल में रामगंगा फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उजाला हॉस्पिटल काशीपुर से नैत्र चिकित्सक डॉ. राघव, नाक, कान, गला व जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. अमित वत्सल आर्थो ने 175 रोगियो की निशुल्क जांच में दवाइयां वितरण की। श्री रामगंगा फाउंडेशन विनोद धारियावाल राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय अध्यक्ष जीपी भटनागर, प्रदेश अध्यक्ष विजय रौतेला, प्रदेश उपाध्यक्ष सुंदर रावत, जिला अध्यक्ष नितिन अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष अशोक शर्मा व डॉ. सी.पी. सिंह, आचार्य पुनीत, फय्याज अहमद, दलपत प्रजापति, दिनेश बंसल,हरीश ध्यानी,अशोक धारियावाल आदि का सहयोग रहा।

श्रावण मास में कांविड़यों की सुरक्षा और जलाभिषेक के सम्बन्ध में गोष्ठी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

श्रावण मास कांवड़ मेला 2025 की तैयारियों एवं मन्दिरों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था/ जलाभिषेक के संबंध में आज दिनांक 07.07.2025 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन एवं एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के समश्त पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया।

एसएसपी द्वारा धार्मिक कांवड यात्रा के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन हेतु पर्याप्त पुलिस प्रबन्ध करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

कांवड़ यात्रा को शांति पूर्ण एवं सुरक्षित माहौल प्रदान करना पुलिस की प्राथमिकता में शामिल है। सुरक्षा प्रबंधन के अंतर्गत संवेदनशील, अतिसंवेदनशील एवं अतिभीड़ वाले क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां पर्याप्त संख्या में अनुभवी पुलिस बल, रिजर्व टीमें, महिला पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जायेगी। संदिग्ध गतिविधियों के दृष्टिगत सादे बस्त्रों में एलआईयू टीम द्वारा भी निगरानी रखी जायेगी।

यातायात नियंत्रण और आवागमन व्यवस्था के अंतर्गत सभी मुख्य मार्गों, कांवड़ रूट, वैकल्पिक मार्गों एवं पार्किंग स्थलों का ट्रैफिक प्लान तैयार कर उसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा भारी वाहनों के डायवर्जन, मोबाइल पेट्रोलिंग एवं पैदल और डाक कांवड़ियों के लिए सुरक्षित व सुव्यवस्थित मार्ग सुनिश्चित किए जाएं।

मन्दिरों में श्रद्धालुओं को बेरिकेटिंग लगाकर कतार में दर्शन हेतु प्रवेश कराया जाय जिससे जलाभिषेक करने में कोई परेशानी न हो, मन्दिर के अन्दर भीड़ एकत्रित न होने दी जाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था हेतु पर्याप्त पुलिस प्रबन्ध किया जाए। तकनीकी निगरानी और संचार व्यवस्था के अंतर्गत ब्ब्ज्ट कैमरों, ड्रोन और बॉडी वॉर्न कैमरों की मदद से सभी मार्गों एवं धार्मिक स्थलों की निगरानी की जायेगी।

किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु कन्ट्रोल रूम बनाकर क्विक रिस्पॉन्स टीम निरंतर सक्रिय रहेगी। सोशल मीडिया टीम को झूठी सूचना, किसी भी अफवाह या आपत्तिजनक सामग्री पर त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देश दिये गये एवं भ्रामक सूचना का खण्डन करते हुए त्वरित, प्रमाणिक एवं सकारात्मक जानकारी प्रसारित करने हेतु निर्देशित किया गया। जनसहयोग, समन्वय एवं मूलभूत सेवाओं के तहत श्रद्धालुओं के लिए विद्युत, पेयजल, चिकित्सा सहायता, मोबाइल टॉयलेट, रात्रि विश्राम स्थलों, शिविरों, धर्मशालाओं की व्यवस्था स्थानीय प्रशासन के समन्वय से करने के निर्देश दिये। कानून व्यवस्था एवं नैतिक वातावरण सुनिश्चित करने हेतु कांवड़ यात्रा मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में मांस, एवं मादक पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए।

श्रद्धालुओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित हो तथा असामाजिक या साम्प्रदायिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। मीटिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर श्री मृगांक शेखर पाठक, पुलिस अधीक्षक यातायात प्रवीन कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी नीरज त्यागी, सभी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी व जनता के सम्भ्रांत व्यक्ति व धर्मगुरू मौजूद रहे।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

खेत में मुंजी लगाने जा रहे युवक का ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खाई में पलटने से ट्रैक्टर चला रहे 21 वर्षीय युवक की ट्रैक्टर के नीचे दबकर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका 15 वर्षीय साथी गंभीर रुप से घायल हो गया।

घटनाक्रम के अनुसार सोमवार की सुबह मौहल्ला आजाद कालोनी, लाइन पार निवासी मुन्नु का 21 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार अपने दोश्त ग्राम रहमापुर निवासी भरत सिंह के 15 वर्षीय पुत्र अनुज कुमार के साथ ट्रैक्टर में यूटर लगाकर खेत में मुंजी लगाने जा रहा था। बताया गया कि ट्रैक्टर आशीष चला रहा था ग्राम हरगांव चांदन से नेशनल हाईवे फोर लाइन पर पहुंचने पर अचानक अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर एक ओर खाई में जा गिरा जिससे ट्रैक्टर के नीचे दबकर आशीष की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी अनुज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया घायल को उपचार के लिए सीएचसी पहुंचाया गया जहां से चिकित्सक द्वारा गंभीर घायल को चिंताजनक हालत में जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

घटना की सूचना पर मृतक के परिजन रोते बिलखते सीएचसी पहुंचे उधर सूचना पर सीएचसी पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुये पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, घटना में आशीष की मौत से उसके परिजननों में कोहराम मच गया।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह के आवास हुरनंगला पहुंचे मुख्यमंत्री

दिवंगत माता भगवती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पितकर दी श्रद्धांजलि

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ आज दोपहर करीब 03-15 बजे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह की माता जी स्वर्गीय भगवती देवी के निधन पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए उनके आवास गांव हूरनंगला, तहसील नगीना, जिला बिजनौर पहुंचे।

उन्होंने सर्वप्रथम स्वर्गीय भगवती देवी के चित्र पर फूल अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और धर्मपाल सिंह के प्रति अपनी शौक संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर सांसद बिजनौर चंदन चौहान, सांसद मेरठ अरूण गोविल, बिजनौर के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल, लखनऊ कर मेयर सुषमा खर्कवाल, बिजनौर विधायक श्रीमती सूची चौधरी, नहटौर के विधायक ओम कुमार, धामपुर से अशोक राणा, बढ़ापुर से सुशांत सिंह, विधायन परिषद के सदस्य अशोक कटारिया, मुरादाबाद के मंडलायुक्त के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, डीआईजी मुनिराम, डीएम श्रीमती जसजीत कौर, एसपी अभिषेक झा एवं जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सांसद, मंत्रीगण और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक मुस्त समाधान योजना का लाभ उठाएं उपभोक्ता : ऋषिकांत गौड

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

गर्मी के इस भीषण मौसम में जहां बिजली की खपत अपने चरम पर है वहीं डिवीज़न अफजलगढ़ के उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है।

अफजलगढ़ डिवीजन अधिकारी एसडीओ ऋषिकांत गौड ने जानकारी देते हुए बातया की डिफॉल्टर पंजीकृत विद्युत उपभोक्ताओं को एकमुश्त समाधान योजना 2024-25 के अंतर्गत ब्याज में भारी छूट दी जा रही है।

इस योजना का लाभ पूर्व में पंजीकृत उपभोक्ताओं को ही मिलेगा जिन्हें दोबारा पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल 31 जुलाई तक बकाया राशि के साथ छूट की राशि का 10 प्रतिशत (जो भी अधिक हो) का एकमुश्त भुगतान करना, होगा। निर्धारित समय सीमा में भुगतान करने पर ब्याज 'में छूट का लाभ मिलेगा। एसडीओ ऋषिकांत गौड ने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए बताया कि योजना का लाभ उठाएं।

कहा कि यह ब्याज माफी का अंतिम अवसर है। सभी सम्मानित उपभोक्ताओं से अपील है कि योजना का लाभउठाकर अपने लंबित बिलों का शीघ्र भुगतान करें। देर करने पर यह राहत हाथ से निकल सकती है।

यह योजना उन उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित होगी है जो लंबे समय से बिजली बिलों की देनदारी से जूझ रहे हैं। अगर आप भी उन उपभोक्ताओं में शामिल हैं तो 31 जुलाई से पहले इस अवसर का लाभ लें।

बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाने के लिए 9 जुलाई से विशेष अभियान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिले में 9 जुलाई से 9 अगश्त तक 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नीरज त्यागी की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

सीएमओ ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, सीडीपीओ, चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों को अभियान को पूरी गंभीरता से संचालित करने और लक्षित 5 लाख से अधिक बच्चों तक शत-प्रतिशत खुराक पहुंचाने के निर्देश दिए। सीएमओ ने कहा कि विटामिन-ए की कमी से बच्चों में अंधापन और कुपोषण की समस्या हो सकती है, इसे रोकने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभियान के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों और टीकाकरण सत्र स्थलों पर बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि विटामिन-ए की खुराक दो चरणों में 06 माह के अन्तराल पर दी जाती है, जिससे बच्चों की रोध प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। उन्होंने यह भी बताया कि एएनएम द्वारा बच्चों को विटामिन-ए की खुराक केंद्र पर ही पिलाई जाएगी।

मूसलाधार बरसात से शहर की सड़कें बनी तालाब

कोर्ट, बिजली-घर, जिला अस्पताल और घरों में भरा पानी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

सोमवार को सुबह से हुई, मूसलाधार बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है।

वहीं बारिश में शहर का हर कौना जलमग्न हो गया, वहीं यह बरसात आमजनों पर कहर बनकर टूटी सडकों से गली लेकर गली, मोहल्ले, जिला अस्पताल, टीबी वार्ड, रेलवे टैक, बस स्टैण्ड, कोर्ट, बिजली घर हर जगह पर पानी ही पानी नजर आ रहा था।

झमाझम बारिश से एक ओर मौसम सुहावना हो गया है आमजनों भीषण गर्मी से राहत मिली है। लेकिन यह बारिश शहरवासियों के लिए परेशानी बन गई है।

बारिश के कारण जहां एक ओर सड़कें, कोर्ट और सार्वजनिक स्थान लबालब हुए पड़े हैं। वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल में वार्डों तक पानी पहुंच गया। जिला अस्पताल के टीबी वार्ड में पानी भर गया, जिसके कारण मरीजों और अस्पताल स्टाफ को परेशान होना पड़ा।

तडके सुबह से ही आसमान में काले घने बादल छाए हुए हैं। जल भराव के कारण आमजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश से शहर की प्रमुख सड़कों पर घुटनों तक पानी भर दिया। गूलर रोड, सुदामापुरी, गुरुद्वारा रोड, विष्णुपुरी, बन्नादेवी जीटी रोड, खैर रोड, भुजपुरा रोड, महेंद्र नगर, आगरा रोड, अचल ताल, सुरेंद्र नगर में एमएलसी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह, विद्यानगर में सांसद सतीश गौतम, महापौर प्रशांत सिंघल के आवास के समीप, रघुवीरपुरी पुलिस चौकी के पास, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास के बाहर जलभराव की स्थिति रहीं। पूर्व मंत्री ख्वाजा हलीम के घर के बाहर सड़क जलमग्न हो गई।

वीआईपी क्षेत्र स्वर्ण जयंती नगर, दीवानी कचहरी में भी जलभराव रहा। रामघाट रोड शहर से लेकर अतरौली की ओर जगह-जगह पानी भर गया।

पुराने शहर के रसलगंज और आमिर निशा में नालियां जाम होने के कारण गलियों में पानी भर गया।

नगीना मे मोहर्रम की दसवीं तारीख पर छुरियों का मातम कर व ताज़ियो का मातमी जुलूस निकाला

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

मोहर्रम की दस तारीख़ को नवासे ए रसूल(सल्ल.)हज़रत इमाम हुसैन(रजि.) की नमाज़ के दौरान की गई शहादत पर नगर में निकलने वाला ताजियों का मातमी जुलूस रविवार को अपने तयशुदा समय से नगर की बड़ी सब्ज़ी मंडी श्तिथ सफदर वाली मस्जिद से शुरु हुआ। इस मौके पर सोगवारों ने हज़रत इमाम हुसैन(रज़ि.)की जंग के मैदान में नमाज़ के दौरान शहादत के वाक़यि को बयान करते हुए नोहाख़्वानी की और इमाम हुसैन(रज़ि.)की शहादत के वाक़यि को बयान करते हुये ग़म का इज़हार शदीद सीनाजनी के साथ किया।अकबरपुर से आए मौलाना डॉ सैय्यद कुमैल अब्बास रिजवी ने कर्बला में इमाम हुसैन(रज़ि.) व उनके 72 सहाबाओं की शहादत के बारे में लोगों से खिताब करते हुये कहा कि छह माह के नन्हे बच्चे अली असगर की शहादत उनके ज़ुल्म व सितम को बयां करती है।

कर्बला में होने वाली शहादतों के बयान को सुनकर लोगों की आंखे भी नम हो गई।ताजियों का जलूस नगर के मुगलान श्तिथ सबदर वाली मस्जिद से शुरू होकर इमाम बारगाह किला होता हुआ जामा मस्जिद,बड़ी सब्जी मंडी, मुहल्ला, शाहजहीर, सरायमीर, अम्बेडकर नगर से होते हुये धामपुर मार्ग पर श्तिथ कर्बला पर पहुँचा जहाँ पर ताजियों को दफन किया गया। जलूस में शमीम हैदर ऊरफ़ शददन, नवाब हैदर, राहत आबदी, अर्शी आब्दी, हुसैन मिया,हैदर अली, मुहम्मद माशु, शब्लू, मुहम्मद तकी, फ़राज़ अब्बास, मेराज ज़ैदी, बाबर अब्बास, अरमान वसीह अब्बास व फरहत आब्दी ने नोहाख़्वानी की जिसकों सुन कर लोगों की आंखे नम हो गई,जबकि सोगवारो के छुरियों से की गई शदीद सीनाजनी को देखकर कलेजा मुँह को आ गया।

इसके बाद देर शाम को दूसरा जलूस भी निकला जो पहाड़ी दरवाजा होते हुये बंगले से आगे श्तिथ कर्बला पर पहुँचा। जलूस में अरशी आब्दी, सगीर मेंहदी, केसर अली जैदी, मुहम्मद अब्बास, मुनीर मुर्तजा,मुहम्मद सिबतेन, डॉ. इकबाल, मुहम्मद शुएब, राहत आब्दी, फरहत आब्दी, मेहराज जैदी, मुहम्मद सिबतेंन,अनवर अब्बास, अंजुम, सलमान हैदर, आदि मौजूद रहे। सुरक्षा के लिहाज़ से एसडीएम आशुतोष जयसवाल,पुलिस क्षेत्राधिकारी नगीना अंजनी कुमार चतुर्वेदी, थाना प्रभारी तेजपाल सिंह, सुभाष तोमर, मोहम्मद आबिद, आदि के साथ पुलिस बल की भी मौजूदगी रही।

रेजेन एशिया समिट, सिंगापुर में एएमयू के युवा प्रतिनिधियों ने प्रस्तुत किया पुनर्निमाणकारी विकास का दृष्टिकोण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के एक युवा प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में आयोजित प्रतिष्ठित रेजेन एशिया समिट 2025 में प्रभावशाली भागीदारी दर्ज की।

इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल एएमयू के वनस्पति विज्ञान विभाग (बॉटनी) के बी.एससी, पांचवें सेमेस्टर के छात्र सैयद साइब सलमान, जुबैदा स्वालेहा, हर्षित जैन, दीक्षा वार्ष्णेय, अशमिल शश, नबीहा नदीम, अब्दुल रहमान सलमानी और तरब जावेद ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

उन्होंने पुनरुत्पादन, सतत विकास और तकनीकी समाधानों पर वैश्विक संवादों में सक्रिय भागीदारी की। एएमयू की टीम ने सततता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए नवोन्मेषी विचार प्रश्तुत किए और सहयोग की भावना के साथ कार्य किया।

जिससे यह संदेश गया कि भारतीय युवा जलवायु कार्रवाई और पुनरुत्पादक विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। समिट के पहले दिन "नेट जीरो से नेट पॉजिटिव" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित हुई, जिसका नेतृत्व मलेशिया की पूर्व ऊर्जा मंत्री बियो यिन यो और आईपीसीसी रिपोर्ट के सह-लेखक डॉ. रोडेल लैस्को ने किया। इस सत्र में तकनीक, वित्त और वाणिज्यिक रणनीतियों के साथ-साथ जलवायु संवाद में भाषा की भूमिका, ग्रीन नौकरियों का निर्माण, एग्रोफॉरेस्ट्री को बढ़ावा देने और नेतृत्व निर्माण जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

अन्य सत्रों में "द फ्यूचर वी स्टीवर्ड", "साउथ एशिया में सर्कुलर इकोनॉमी के तहत पुनरुत्पादक आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण", "सिस्टम थिंकिंगरू वनों की बहाली और वन्यजीव संरक्षण के माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र की पुनर्स्थापना", और "जस नॅचुरेरू प्रकृति को कानूनी व्यक्ति का दर्जा देना ही वैश्विक पुनरुत्पादन की कुंजी" जैसे विषयों को शामिल किया गया।

समिट का एक विशेष आकर्षण प्रतिभागियों के साथ सिंगापुर के राष्ट्रपति थरमन शनमुगरत्नम के साथ एक संवादात्मक सत्र था।

उन्होंने अपने संबोधन में पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डालते हुए पुनर्निर्माणकारी विकास पर अपने विचार साझा किये।

एनसीआरटीसी के प्रीमियम कोच यात्रियों को गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन पर मिल रही है मुफ्त पानी की बोतल

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

एनसीआरटीसी द्वारा यात्रियों के अनुभव को और अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाने के लिए लगातार आधुनिक पहल की जा रही हैं।

इसी दिशा में एक और प्रयास के तहत, गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन के प्रीमियम लॉन्ज में बनाए गए कोका कोला रिफ्रेशमेंट ज़ोन में प्रीमियम श्रेणी के यात्रियों को ट्रेन बोर्डिंग या डिबोर्डिंग के दौरान 500 मिली लीटर की ठंडी पानी की बोतल मुफ्त में दी जा रही है।

प्रीमियम क्लास के यात्रियों के लिए यहां वेंडिंग मशीन लगायी गयी है, जिसमें पानी की ठंडी बोतलों के लिए फ्री स्लोट्स दिए गए हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को वेंडिंग मशीन में उपलब्ध फ्री स्लॉट्स में से एक बार में एक नंबर का चयन करना होगा, इसके बाद वेंडिंग मशीन पर दिया गया बटन दबाना होगा और तभी मशीन से पानी की एक ठंडी बोतल बाहर आ जाएगी। यात्रियों को निःशुल्क पानी की बोतल की सुविधा के बारे में बताने के लिए यहां एक कंपनी स्टाफ भी मौजूद रहता है, ताकि यात्रियों को इस सुविधा का लाभ मिल सके।

इसके साथ ही यहां अन्य पेय पदार्थ भी उपलब्ध हैं, जिन्हें यात्री अपनी आवश्यकतानुसार आसानी से खरीद सकते हैं। गर्मी के मौसम में ताज़गी और राहत पाने के लिए प्रीमियम कोच के यात्री गाजियाबाद स्टेशन पर इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इस पहल से यात्री बेहद खुश हैं।

फिलहाल यह सुविधा गाजियाबाद स्टेशन पर ही उपलब्ध है, ऐसे रिफ्रेशमेंट ज़ोन भविष्य में अन्य स्टेशनों पर भी देखे जा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि नमो भारत के प्रीमियम कोच में सफर करना अब और भी किफ़ायती हो गया है, क्यूंकि स्टैंडर्ड किराए और प्रीमियम किराए में महज़ 20 प्रतिशत का अंतर है। यही वजह है कि अब रिक्लाइनिंग सीट, सन-शील्ड, वेंडिंग मशीन, फुट-रेस्ट, वॉटर बोतल होल्डर, लैपटाप चार्जिंग और कोट-जैकेट हैंगर जैसी आधुनिक सुविधाओं से लेस प्रीमियम कोच में सफर करना बेहद आसान और किफायती हो गया है।

संपादकीय

विपक्ष की ताकत ने लोकतंत्र को बचा लिया

बिहार में चुनाव से पहले लोकतंत्र को कुचलने की बड़ी तैयारी चल रही थी, जिसे विपक्ष ने रोक लिया है। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले 25 जून से 26 जुलाई तक मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चुनाव आयोग ने शुरु किया। लेकिन यह फैसला लगातार विवादों में था और विपक्ष इस पर सवाल उठा रहा था कि बिहार में करोड़ों मतदाता आखिर कहां से उन चुनिंदा दशतावेज को उपलब्ध करा पाएंगे, जिन्हें दिखाने के बाद ही उनके नाम मतदाता सूची में शामिल करने की शर्त चुनाव आयोग ने रखी थी। अगर ये दशतावेज नहीं दिखाए जा सके तो फिर आयोग उन्हें अवैध करार देता। यानी एक साथ करोड़ों लोग मतदान के अधिकार से वंचित रह जाते, इस पर विपक्ष ने शुरु से कड़ी आपत्ति दर्ज की थी, चुनाव आयोग से इसकी शिकायत भी की थी। अब विपक्ष की मुहिम रंग लाई है। चुनाव आयोग को अपने इस बड़े फैसले को लगभग पलटना पड़ा है और इसका विज्ञापन बाकायदा अखबारों में दिया गया है।

आयोग ने अब कहा है कि जिन 11 दशतावेज की सूची दी गई थी उनमें से अगर एक भी कागज किसी के पास नहीं है तब भी उसका गणना प्रपत्र यानी एन्यूमरेशन फॉर्म जमा हो सकता है। इससे साफ़ पता चलता है कि चुनाव आयोग ने जो शुरुआती तेवर दिखाए थे वह अब ढीले पड़ चुके हैं। वैसे भी चुनाव आयोग का यह फैसला अटपटा है, क्योंकि हिंदुश्तान में आजादी के बाद से नागरिक को मतदान का अधिकार मिला और इसके लिए व्यवस्था की गई कि चुनाव आयोग मतदाता के दरवाजे तक जाकर उसे यह अधिकार सौंपेगा। यही असली लोकतंत्र था, लेकिन अब इसमें उल्टी गंगा बहाते हुए चुनाव आयोग ने मतदाता पर ही यह जिम्मेदारी डाल दी कि वह फार्म भरे, दशतावेज दिखाए और अपने वैध मतदाता होने को साबित करे।

बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का आदेश जिस तरह आया और उस पर काम शुरु भी हुआ तो कई सवाल खड़े हो गए। इसे नोटबंदी और लॉकडाउन यानी देशबंदी के बाद वोटबंदी कहा जा रहा था। हालांकि यह केवल शब्दों की तुकबंदी नहीं थी, बल्कि इसके पीछे लोकतंत्र पर पड़ने वाली चोट को लेकर गहरी चिंता थी। भाजपा की आंखों पर तो इस समय सत्ता की पट्टी बंधी हुई है, इसलिए उसे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ रहा कि करोड़ों लोग अगर चंद कागजात की वजह से वोट देने का अधिकार खो देते हैं, तो इसका कितना बड़ा नुकसान होगा। भाजपा को यह लगा होगा कि गरीब, अल्पसंख्यक, दलित, पिछड़े वर्ग के वोट बड़ी संख्या में कटेंगे और उसका नुकसान केवल महागठबंधन को होगा, लेकिन हो सकता है कि दूसरे के लिए खोदे जा रहे गड्ढे में खुद भाजपा भी धंस जाए।

एनडीए में भाजपा के साथी दल भी इस कवायद से होने वाले नुकसान को समझ रहे थे, लेकिन खुल कर कहने की हिम्मत नहीं दिखा रहे थे। खास तौर पर जनता दल यूनाइटेड के कई नेताओं का मानना था कि इस तरह की दशतावेज की शर्तों से उनके अति पिछड़े और महिला वोटरों पर काफी बुरा असर पड़ेगा। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने सरकारी कर्मचारी/पेंशनर पहचान पत्र, जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, मैट्रिक का सर्टिफिकेट, डोमिसाइल, वन अधिकार और ओबीसी, एससी, एसटी प्रमाणपत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, पारिवारिक रजिस्टर, और जमीन या मकान आबंटन प्रमाणपत्र इन दशतावेज के आधार पर वोटर को वैध या अवैध निश्चित करने का फैसला लिया। इसमें कहीं भी आधार कार्ड, पैन कार्ड, मनरेगा या राशनकार्ड का जिक्र नहीं था। जबकि हिंदुश्तान की कम से कम 90 प्रतिशत आबादी अपनी पहचान बताने के लिए इन्हीं में से किसी एक कागज को दिखाती है।

कोरोना वैक्सीन लगवाने से लेकर, स्कूल-कॉलेज में दाखिला, बैंक खाता खोलने, पासपोर्ट बनवाने या हवाईजहाज से सफर करने तक हर जगह पहचान के नाम पर आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशनकार्ड ही दिखाया जाता है। जिन दशतावेज को रहने, खाने, काम करने, सफर करने, आजीविका के लिए जरूरी माना गया, उनमें से किसी को भी वोट डालने के लिए जरूरी क्यों नही माना गया, यह सवाल भी उठा। अगर चुनाव आयोग किसी को वोट देने के योग्य नहीं मानेगा, तो इसका मतलब है कि वह इन्हें भारत का नागरिक भी नहीं मानेगा। इसमें एक बड़े चुनावी घोटाले की बू आई, जिसके बाद ही विपक्ष ने बड़ी तेजी से इस मसले पर मोर्चा खोला और अब इसमें उसे जीत भी मिली है।

25 जून से लागू हुए इस आदेश में रोजाना की तब्दीलियां हो रही हैं, जो बता रही हैं कि इस फैसले को हड़बड़ी में लिया गया है। ठीक वैसे ही जैसे आधी रात को संसद लगाकर जीएसटी तो लागू की गई थी, फिर रोजाना नियम बदले जाते थे। जब नोटबंदी लागू की गई, उसके बाद भी यही आलम रहा कि बार-बार नियम बदले गए और अब मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान में भी यही हो रहा है। ताजा बदलाव यही है कि अब दशतावेज दिखाना ही जरूरी नहीं है।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग के तेवर कई बार ढीले पड़े हैं लेकिन याद रखने की बात यह है कि अब भी इसने इसमें एक पेच लगा रखा है। चुनाव आयोग के विज्ञापन में यह बात बताई गई है कि अगर आप जरूरी दशतावेज उपलब्ध कराते हैं तो निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी यानी ईआरओ को आवेदन को प्रोसेस करने में आसानी रहेगी। इसके ठीक बाद चुनाव आयोग का विज्ञापन कहता है कि अगर आप जरूरी दशतावेज उपलब्ध नहीं करा पाते हैं तो निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी यानी ईआरओ द्वारा स्थानीय जांच या अन्य दशतावेज के साक्ष्य के आधार पर निर्णय लिया जा सकेगा। यानी अब दशतावेज देना ज़रूरी तो नहीं रहा लेकिन अगर चुनाव आयोग का अधिकारी यह मान ले कि आपको दशतावेज की जरूरत है तो उसे देना पड़ेगा।

यानी खिलवाड़ की गुंजाइश अब भी है, मगर इस बीच बिहार में 9 जुलाई को मतदाता सूची अपडेशन के खिलाफ चक्काजाम का ऐलान विपक्ष ने किया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इस मामले में तीखे तेवर दिखा रहे हैं। कांग्रेस, राजद, वामदल समेत सारा विपक्ष ताल ठोंक कर मैदान में आ चुका है। तो अब उम्मीद बंध गई है कि बिहार में चुनाव की वो चोरी नहीं हो पाएगी, जिसके आरोप राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव में लगाए हैं और बिहार में इसी की आशंका जाहिर की थी।

गरीबी घटने और आर्थिकी बढ़ने का सुकून

डा. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों पूरी दुनिया में हाल ही में प्रकाशित भारत की अत्यधिक गरीबी में तेज कमी आने संबंधी विश्व बैंक की रिपोर्ट तथा भारत की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने संबंधी अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक की रिपोर्टों को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। 10 जून को प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक श्तर पर कमजोर व्यापारिक गतिविधियों और निर्यात में कमी के बीच भी भारत वर्ष 2025-26 में 6.3 फीसदी की विकास दर से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर बरकरार रखेगा।

जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महज 2.3 फीसदी की वृद्धि होगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक गरीबी संबंधी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अत्यधिक गरीबी की स्थिति में रहने वाले लोगों की संख्या में पिछले 11 सालों में जबरदश्त गिरावट दर्ज की गई है और अत्यधिक गरीबी से करीब 27 करोड़ देशवासी बाहर निकले हैं।

विश्व बैंक ने अत्यधिक गरीबी रेखा के निर्धारण के संबंध में जो नए अनुमान जारी किए हैं, उनके मुताबिक निम्न आय वाले देशों के लिए अत्यधिक गरीबी की रेखा 2.15 डॉलर प्रतिदिन के उपभोग व्यय से बढ़ाकर अब प्रतिदिन 3 डॉलर उपभोग व्यय पर निर्धारित की गई है। ऐसे में देश में अत्यधिक गरीब लोगों की जो संख्या 2011-12 में 27.1 फीसदी थी, वह 2022-23 में घट कर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इससे अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। निश्चित रूप से यह परिदृश्य भारत में गरीब कल्याण की दिशा में बड़ी प्रगति का स्पष्ट संकेत करता है।

साथ ही यह परिदृश्य पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गरीब कल्याण को लक्षित करके बनाई गई अत्यधिक लाभकारी योजनाओं की सार्थकता भी प्रश्तुत करता है।

खास तौर से देश में करीब 55 करोड़ से अधिक जनधन खातों (जे), करीब 138 करोड़ आधार कार्ड (ए) तथा करीब 119 करोड़ मोबाइल उपभोक्ताओं (एम) की शक्ति वाले जैम से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढांचा गरीबों के सशक्तिकरण में असाधारण भूमिका निभा रहा है। इस जैम के बल पर देश के गरीब लोगों के खातों में सीधे आर्थिक राहत हश्तांतरित हो रही है।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से मुफ्त खाद्यान्न वितरित करते हुए उनकी गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभा रहा है। सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत गरीबों को 2028 तक मुफ्त अनाज दिया जाना सुनिश्चित किया है। गरीबों के सशक्तिकरण से संबंधित कई और योजनाओं से गरीबी घट रही है।

इनमें स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना, पेयजल सुविधा के लिए जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ शौचालय और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं शामिल हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि एक ओर जहां भारत में गरीबों के सशक्तिकरण से गरीबी में लगातार कमी आ रही है, वहीं दूसरी ओर भारत तेजी से आर्थिक विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है। हाल ही में प्रकाशित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़े अर्थव्यवस्था में

मजबूती और सुधार को दिखाने वाले हैं।

पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी रही। विशेष रूप से यह भी उल्लेखनीय है कि आईएमएफ की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2025 के अंत तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा 2028 तक दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिकी बनते हुए दिखाई देगा।

इस रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष 2025 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढ़कर 4.187 ट्रिलियन डालर हो जाएगा और यह जापान की जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तीव्र गति से आगे बढ़ रही है। इस समय भारत विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बन गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत है।

निवेशकों का विश्वास बना हुआ है। अर्थव्यवस्था व्यापक आर्थिक विवेक से प्रबंधित की जा रही है। निर्यात बढ़ रहे हैं। सरकार के पूंजीगत खर्च बढ़ने से भी अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। देश के कोने-कोने में मेक इन इंडिया अभियान से शक्ति मिल रही है।

लंबे समय तक दूसरे देशों से बड़ी संख्या में आयातित कई औद्योगिक उत्पाद देश में ही बनाए जा रहे हैं। लगातार स्थानीय उत्पादों के उपयोग और स्थानीय श्रम को अच्छे मूल्य पर जोर दिए जाने जैसे अभियान से शहरों से गांवों तक स्वदेशी सामान की खरीदी में जोरदार उछाल आया है। तेजी से बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और शेयर बाजार की ऊंचाई भारत की ताकत है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत आर्थिक विकास और नई तकनीकों के उपयोग की ऊंची संभावनाओं वाला देश बन गया है। दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास निर्मित हुआ है।

दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। वश्तुतः भारत के पास उपभोक्ताओं का उभरता हुआ विशाल बाजार, युवाओं में जबरदश्त ढंग से आगे बढ़ने की ललक, उद्यमिता की भावना और सुधार का रवैया भारत के लिए नए अवसरों का आधार है।

उद्यमियों को नीतिगत स्थिरता, प्रशासन, नवाचार एवं वृहद आर्थिक नीति उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी ऋण के बेहतर प्रबंधन से भारत का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रित है। भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी दौड़ में एक निर्णायक चौराहे पर खड़ा है जिसके पास बड़े डेटा में अद्वितीय श्रेष्ठता है।

डेटा परिसंपत्ति की शक्ति के बल पर देश वैश्विक प्रौद्योगिकी और नवाचार के शीर्ष श्तर पर पहुंचने की संभावना को साकार कर सकता है। निश्चित रूप से देश से गरीबी के तेजी से घटने और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के सुकून के बावजूद हमें अभी आम आदमी के कल्याण और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के लिए मीलों चलना होगा।

यद्यपि भारत 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या की कुल आमदनी के आधार पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है, लेकिन हमें आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। स्थिति यह है कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत दुनिया के कई देशों से बहुत पीछे है। जापान की प्रति व्यक्ति आय भारत की तुलना में लगभग 11.8 गुना अधिक है।

ऐसे में अभी हमें देश में गांवों की मजबूती, कृषि क्षेत्र की ऊंचाई और छोटे शहरों के विकास के साथ-साथ आम आदमी की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। हम उम्मीद करें कि ऐसे प्रयासों से देश में अत्यधिक गरीबी में और कमी आएगी तथा देश की अर्थव्यवस्था भी और तेजी से आगे बढ़ेगी।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

मोदी के 11 साल के शासन में लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर किया आघात

डॉ. राम पुनियानी

आज जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल और आरएसएस 1975 के आपातकाल का विरोध करने का सारा श्रेय ले रहे हैं, वर्तमान शासन दूसरे तरीकों से उसी आपातकाल को थोप रहा है। वैश्विक श्तर पर भारत में लोकतंत्र का सूचकांक लगातार गिरता जा रहा है। भारत में वर्तमान में जो अघोषित आपातकाल है, उस पर आत्मचिंतन करने और उससे उबरने की आवश्यकता है।

जून 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अधीन देश ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ मनायी, जिसे इंदिरा गांधी ने 1975 में लगाया था। इस अवधि के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, जब कई लोकतांत्रिक स्वतंत्रताएं निलंबित कर दी गयी थीं, हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया था और मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस अवधि को कुछ दलित नेता बहुत अलग तरीके से देखते हैं, जो पिछले दशक में इंदिरा गांधी द्वारा उठाये गये क्रांतिकारी कदमों जैसे बैंकों के राष्ट्रीयकरण और प्रिवीपर्स को खत्म करने को याद करते हैं। अब, जबकि बहुत कुछ लिखा जा चुका है, तब उसका नये सिरे से विश्लेषण किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उस अवधि की निंदा करते हुए तथा आपातकाल की घटना के विरोध में बलिदान देने वालों की प्रशंसा करते हुए एक प्रश्ताव पारित किया।

इसमें 'अनगिनत व्यक्तियों के बलिदान को याद करने तथा उनका सम्मान करने का संकल्प लिया गया, जिन्होंने आपातकाल तथा भारतीय संविधान की मूल भावना को नष्ट करने के प्रयास का बहादुरी से विरोध किया, एक ऐसा विध्वंस जिसकी शुरुआत 1974 में नवनिर्माण आंदोलन तथा सम्पूर्ण क्रांति अभियान को कुचलने के एक कठोर प्रयास से हुई थी।'

भाजपा उस अवधि के 21 महीनों के दौरान अपनी 'महान भूमिका' पर बहुत जोर दे रही है। यह आरएसएस के उन दावों से मेल खाता है,

जिसमें कहा गया है कि आपातकाल का विरोध करने वाली प्रमुख ताकत वे ही थे परन्तु इसके अधिकांश अन्य दावों की तरह यह दावा भी सत्य के किसी भी तत्व से रहित है।

कुछ गंभीर पत्रकारों के प्रयासों तथा कुछ लोगों द्वारा पुश्तकों की खोज से एक और कहानी सामने आती है। पत्रकारिता के दिग्गजों में से एक प्रभाष जोशी ने लिखा, 'तत्कालीन आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस ने इंदिरा गांधी को एक पत्र लिखकर संजय गांधी के कुख्यात 20सूत्री कार्यक्रम को लागू करने में मदद करने का वचन दिया था। यह आरएसएस का असली चरित्र है' आप एक कार्यशैली, एक पैटर्न को समझ सकते हैं।

आपातकाल के दौरान भी, जेल से बाहर आए आरएसएस और जनसंघ के कई लोगों ने माफ़ीनामा (माफ़ीनामा) दिया। वे सबसे पहले माफ़ी मांगने वाले थे- 'अटल बिहारी वाजपेयी(अधिकांश समय अस्पताल में) थे' लेकिन आरएसएस ने आपातकाल का मुकाबला नहीं किया। तो भाजपा उस स्मृति को अपने नाम करने की कोशिश क्यों कर रही है?' वे निष्कर्ष निकालते हैं कि 'वे कोई लड़ाकू ताकत नहीं हैं, और वे कभी भी लड़ने के लिए उत्सुक नहीं होते हैं। वे मूलरूप से समझौता करने वाले लोग हैं। वे कभी भी वाश्तव में सरकार के खिलाफ नहीं होते हैं'।

उत्तर प्रदेश और सिक्किम के राज्यपाल रह चुके टीवी राजेश्वर ने 'इंडियाः द क्रूशियलइयर्स' (हार्परकॉलिन्स द्वारा प्रकाशित) नामक पुश्तक लिखी है, जिसमें उन्होंने इस तथ्य की पुष्टि की है कि 'न केवल वे (आरएसएस) इस (आपातकाल) के समर्थक थे, बल्कि वे श्रीमती गांधी के अलावा संजय गांधी से भी संपर्क स्थापित करना चाहते थे।'

जबकि कई समाजवादी और कम्युनिस्ट जेल की सजा काट रहे थे, आरएसएस के कार्यकर्ता जेल से रिहा होने के लिए बेचैन थे। भाजपा के सुब्रमण्यम स्वामी ने द हिंदू में एक लेख में आपातकाल की कहानी सुनाई जो 13 जून 2000 को प्रकाशित हुई थी।

उन्होंने दावा किया कि आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इंदिरा गांधी को माफी के पत्र लिखकर आपातकाल विरोधी आंदोलन को धोखा दिया। 'महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही में यह रिकॉर्ड पर है कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस ने पुणे की यरवदा जेल के अंदर से इंदिरा गांधी को कई माफी पत्र लिखे, जिसमें जेपी के नेतृत्व वाले आंदोलन से आरएसएस को अलग कर दिया और कुख्यात 20-सूत्री कार्यक्रम के लिए काम करने की पेशकश की। उन्होंने उनके किसी भी पत्र का उत्तर नहीं दिया।'

(भारत को पुनर्जीवित करने के अपने प्रयास में आपातकाल लागू करने को सही ठहराने के लिए कांग्रेस शासन द्वारा 20सूत्री कार्यक्रम और संजय गांधी के पांच सूत्री कार्यक्रम का हवाला दिया जाता है)।

मेरे एक मित्र, राष्ट्र सेवा दल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुरेश खैरनार भी इस दौरान जेल में थे। जब उन्होंने आरएसएस कार्यकर्ताओं को माफ़ीनामे पर हश्ताक्षर करते देखा, तो वे इस विश्वासघात के कृत्य पर क्रोधित हो गये और उनसे भिड़ गये। अपनी शैली के अनुसार उन्होंने कहा कि वे जो कर रहे हैं वह तात्याराव (वीडी सावरकर) द्वारा अपनाये गये मार्ग के अनुसार है। हिंदू राष्ट्रवादियों की रणनीतियों के बारे में यह सच है!

यह भी याद रखें कि जब ए.बी.वाजपेयी को आगरा के पास बटेश्वर में जंगल सत्याग्रह में भाग लेने वाले जुलूस की निगरानी करते समय गिरफ्तार किया गया था, जिसमें सरकारी भवन से यूनियन जैक को हटा दिया गया था और तिरंगा फहराया गया था।

वाजपेयी ने तुरंत एक पत्र लिखा और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से खुद को अलग कर लिया। उन्हें तुरंत रिहाई मिल गयी। इस विचारधारा के अनुयायियों के चरित्रों को प्रभाष जोशी ने अच्छी तरह से चित्रित किया है। जहां एक ओर उनकी मौखिक भाषा आक्रामक और जोरदार होती है वहीं व्यवहार में वे बिल्कुल अलग होते हैं।

जब 1998 में वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए सरकार थी, तब मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने अंतर महसूस किया था।

अब तक मानवाधिकारों के लिए प्रतिबद्ध कई कार्यकर्ता कांग्रेस और भाजपा को एक ही सिक्के के दो पहलू मानते थे। उनके शासन के इस दौर ने हममें से कई लोगों की आंखें खोल दीं कि भाजपा एक अलग पार्टी है। यह इस तथ्य के बावजूद था कि उस समय भाजपा के पास अपने दम पर पूर्ण बहुमत नहीं था।

अब नरेन्द्र मोदी करीब ग्यारह साल से प्रधानमंत्री के रुप में सत्ता में हैं। 2014 और 2019 में उन्हें पूर्ण बहुमत मिला। इस पूर्ण बहुमत के साथ उनकी साख का असली रंग जोर से सामने आ गया है। जहां एक ओर आपातकाल ने उसे लागू करने वाली नेता इंदिरा गांधी को सत्ता से बेदखल कर दिया, जबकि आपातकाल संविधान के प्रावधानों के तहत था, अब हम नरेन्द्र मोदी का एक 'अघोषित आपातकाल' देख रहे हैं। 2015 में इंडियन एक्सप्रेस के शेखर गुप्ता को दिये गये एक साक्षात्कार में लालकृष्ण आडवाणी ने कहा था,'आज (उस समय) आपातकाल की घोषणा हुए 40 साल हो चुके हैं। लेकिन पिछले एक साल से भारत में अघोषित आपातकाल चल रहा है।' ('इंडियन एक्सप्रेस' दिनांक 26-27 जून 2015)।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पूरी तरह से अंकुश लगा दिया गया है। सच बोलने की हिम्मत करने वाले कई लोगों को जेल में डाल दिया गया है। धर्म की स्वतंत्रता का हनन हो रहा है। न्याय की जगह बुलडोजर न्याय ले रहा है। लव जिहाद, गोमांस के बहाने अल्पसंख्यकों को डराना-धमकाना और प्रताड़ित करना घृणित है। भीमा कोरेगांव मामले में कई प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया गया है। उमर खालिद, गुलफिशा फातिमा जैसे मुस्लिम कार्यकर्ता जेल में बंद हैं, जबकि उनके मामलों की सुनवाई नहीं हो रही है। कॉरपोरेट नियंत्रित मीडिया सरकार की नीतियों की पैरवी करने और असहमति की आवाजों को दबाने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आज जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल और आरएसएस 1975 के आपातकाल का विरोध करने का सारा श्रेय ले रहे हैं, वर्तमान शासन दूसरे तरीकों से उसी आपातकाल को थोप रहा है। वैश्विक श्तर पर भारत में लोकतंत्र का सूचकांक लगातार गिरता जा रहा है। भारत में वर्तमान में जो अघोषित आपातकाल है, उस पर आत्मचिंतन करने और उससे उबरने की आवश्यकता है।

भारत के लिए खतरा है गिरगिट की तरह रंग बदलता चीन

अर्जुन देशप्रेमी

चीन भारत को लेकर बार बार रंग बदलता रहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की तरह यू टर्न भी लेता है। शांति की बात करते-करते युद्ध में हमारे खिलाफ हमारे दुश्मन को हर तरह की मदद देता है। कूटनीति में हमारे खिलाफ साजिशें रचता है।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जैसे एक मंच पर हमारे खिलाफ पाकिश्तान की तरफदारी करता है जिसके कारण भारत संयुक्त घोषणा पत्र पर हश्ताक्षर करने से मना कर देता है, तो दूसरी तरफ ब्रिक्स जैसे मंच पर हमारी बातों पर सहमति जताकर घोषणा पत्र पर हश्ताक्षर भी करता है। गाहे-बगाहे सीमा पर हलचल करता है और फिर शांति की बात करने लगता है।

चीन के साथ भारत के सम्बन्ध हमेशा से ही खटास भरे रहे हैं। जिस तरह से उसने भारत को बार-बार धोखा दिया है, उससे भारत के साथ वैसे भी उसके सम्बन्ध मधुर होने की गुंजाईश नहीं दिखती है, पर सामान्य होने की आशा की जाती रही है।

ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मलेन में जिस तरह से चीन ने घोषणा पत्र पर हश्ताक्षर किये हैं, वह हैरान करने वाला तो है ही, चीन के दोगलेपन को भी दर्शाता है। इससे समझ नहीं आ रहा है कि चीन किस दिशा में जा रहा है या कब क्या करेगा। ब्रिक्स में आतंकवाद पर सभी देश एक साथ आए हैं।

शिखर सम्मलेन के घोषणा पत्र में भारत में पाकिश्तान की ओर से हुए आतंकी हमले की निंदा की गई है, जिसका सीधा मतलब है कि वे मानते हैं कि इस हमले में पाकिश्तान का सीधा हाथ है। ये घोषणा पत्र खास इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ये पाकिश्तान के जिगरी दोश्त बने चीन की उपस्थिति में तैयार किया गया है।

ब्रिक्स देशों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका शामिल हैं। इसके बढ़े हुए स्वरूप में कुछ और देश भी शामिल हुए हैं और सबने मिलकर सम्मेलन के घोषणा पत्र में पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए इसे क्रूर आतंकवादी घटना कहा है। इसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की गई है। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए थे।

घोषणापत्र में इस हमले का जिक्र करते हुए इसे 'आतंकवाद की क्रूर और अमानवीय कार्रवाई' बताया गया है। पूरे घोषणापत्र में पाकिश्तान का नाम सीधे तौर पर कहीं नहीं है लेकिन सीमा-पार आतंकवादियों की आवाजाही और आतंक की सुरक्षित पनाहगार और आतंकियों को आर्थिक सहयोग जैसे

शब्दों का जिक्र जरूर किया गया है। इन शब्दों का सीधा इशारा पाकिश्तान की ओर ही है। घोषणा पत्र में वैश्विक मंच पर बिना टकराव के आतंक के केंद्र की ओर सभी देशों का ध्यान खींचा गया है। घोषणापत्र में आतंकवाद को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया गया है। इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आतंकवाद को किसी भी धर्म, नस्ल या नागरिकता से जोड़ना पूरी तरह अनुचित है। इसके साथ ही सभी सदस्य देशों ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर सहमति जताई और जोर दिया कि अब आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड अब स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

चीन अभी कुछ ही समय पहले पाकिश्तान के हक में ये कहकर खड़ा रहा कि वो आतंकवाद का पीड़ित है। चीन में शंघाई सहयोग संगठन यानि एससीओ की बैठक में तो चीन ने पकिश्तान के साथ मिलकर पहलगाम हमले पर एक भी शब्द नहीं लिखा था। पर इसके उलट उसने बलूचिश्तान में आतंकवाद की निंदा करने की बात जोड़ दी थी और उसमे सीमा पर से आतंकवाद को बढ़ावा दिए जाने की बात जोड़ दी थी जिसका मतलब यह था।

भारत बलूचिश्तान में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है और पकिश्तान आतंकवाद से पीड़ित देश है। वह तो गनीमत थी कि भारतीय पक्ष ने इसे समय रहते देख लिया और संयुक्त घोषणा पत्र पर हश्ताक्षर करने से मना कर दिया जिससे वह जारी ही नहीं हो सका। यहाँ यह भी महत्वपूर्ण है कि इस बैठक में भारत के सबसे भरोसेमंद दोश्त में शुमार किया जाने वाला रूस भी चीन की तरफ दिख रहा था।

अब चीन की मौजूदगी में संयुक्त घोषणा पत्र जारी होने का मतलब है कि चीन ने अपना रुख बदला और वो भी इस बात को मान रहा है कि पहलगाम में जो कुछ हुआ, वो आतंकी साजिश था। तो आखिर इतने छोटे से अन्तराल में ऐसा क्या हो गया कि चीन ने अपना रूख ही बदल लिया।

पर इसके ठीक बाद अब उसने एक नया बखेड़ा खड़ा करना आरम्भ किया है और वह है दलाईलामा का उत्तराधिकारी की नियुक्ति। अब दलाई लामा के उत्तराधिकार को लेकर चीन जिस तरह दखल दे रहा है, उससे भारत-चीन संबंधों में नई तल्खी आने की आशंका है। दलाई लामा के जीवन के 90 साल पूरे होने के साथ भारत-चीन के नाजुक संबंधों के बीच उत्तराधिकार का मुद्दा अहम हो गया है।

उत्तराधिकार का सवाल बीजिंग के लिए लंबे समय से एक संवेदनशील विषय रहा है, जो तिब्बती बौद्ध धर्म पर नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। 1959 में तिब्बत से भागे दलाई लामा को शरण देने के भारत के फैसले के लिए वह नाराज है। उसने तिब्बती धार्मिक नेता को 'विभाजनकारी' करार दिया है।

दलाई लामा अपनी संत जैसी छवि और शांति के संदेश के साथ और हॉलीवुड की मशहूर हश्तियों और वैश्विक सांस्कृतिक अभिजात वर्ग के सदस्यों सहित उनके अनुयायियों के कारण चीन के लिए कांटा बन गए हैं। इस मुद्दे को लेकर चीन अब हमलावर हो रहा है। यानि बार बार गिरगिट की तरह रंग बदल रहा है। ऐसे में उसका बार बार बदलता रूख भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। इसपर सरकार को कड़ी नजर रखने की जरूरत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

परिवार ने रचा मौत का खेलः पत्नी और बेटी ने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई मेरठ में युवक की हत्या

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के एक और हत्याकांड ने सबको हैरान कर दिया है। कुछ दिन पहले ही मेरठ की मुस्कान ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी और शव के टुकड़ों को नीले ड्रम में डालकर सीमेंट से भर दिया था। लेकिन 2 हफ्ते पहले हुए हत्याकांड के नए खुलासों ने सबको चौंका दिया है। 23 जून को सुभाष नाम के व्यक्ति की हत्या हुई थी, जिसमें उसकी पत्नी और बेटी दोनों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि पत्नी और बेटी ने अपने-अपने प्रेमियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी।

मेरठ के एसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा के मुताबिक, सुभाष 23 जून को खेत में पानी लगाने के बाद वापस लौट रहा था। रास्ते में उसे बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी थी। घायल अवस्था में सुभाष को अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ घंटों के बाद उसका निधन हो गया था। इस मामले में कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

मेरठ के एसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पूरे घटनाक्रम में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें मृतक सुभाष की पत्नी कविता और बेटी सोनम भी शामिल हैं। सोनम का दोस्त विपिन भी इस हत्याकांड में गिरफ्तार हुआ है। अन्य आरोपियों में गुलजार (सुभाष की पत्नी का प्रेमी) और अजगर उर्फ शिवम शामिल हैं।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सुभाष की बड़ी बेटी पहले ही लव मैरिज कर चुकी थी। इसी तरह दूसरी बेटी सोनम अपने दोस्त विपिन के साथ लव मैरिज करना चाहती थी। गुलजार नाम के आरोपी के साथ सुभाष की पत्नी के संबंध थे। इन बातों को लेकर सुभाष का पत्नी और बेटी के साथ वाद-विवाद बना रहता था। मां-बेटी ने मिलकर सुभाष को रास्ते से हटाने की प्लानिंग की। अधिकारी ने बताया कि सुभाष की पत्नी और बेटी ने ही अपने-अपने प्रेमियों को इस प्लानिंग में शामिल किया। विपिन, गुलजार और उनके एक दोस्त अजगर उर्फ शिवम ने सुभाष पर 23 जून को हमला किया था। अजगर उर्फ शिवम ने सुभाष को गोली मारी थी, जिसकी निशानदेही पर हथियार को बरामद किया जा चुका है। पुलिस फिलहाल आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

तबादलों, ऑनलाइन हाजिरी के खिलाफ शिक्षक करेंगे विरोध प्रदर्शन, 31 को हर जिले में होगा विरोध

लखनऊ, एजेंसी। सरकार की शिक्षा एवं शिक्षक विरोधी नीतियों के खिलाफ 31 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों पर माध्यमिक शिक्षक धरना व प्रदर्शन करेंगे। इस निर्णय रविवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पांडेय गुट) की दारुलशफ़ा बी ब्लॉक में हुई राज्य परिषद की बैठक में लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार पटेल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली, दो हजार बचे शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ देने, 2300 तदर्थ शिक्षकों का वेतन भुगतान और नियमितीकरण नहीं किया गया है। इससे शिक्षकों में काफी नाराजगी है। महामंत्री आशीष कुमार सिंह ने निदेशालय स्तर पर लंबित ऑफलाइन तबादला सूची न जारी कर, आनलाइन तबादला पाए शिक्षकों को कार्यभार न ग्रहण कराने पर नाराजगी जताई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से इस पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने की माग की। बैठक में शिक्षक नेताओ ने शिक्षकों, छात्रों की आनलाइन हाजिरी के आदेश पर कड़ा विरोध जताते हुए, इसे तत्काल वापस लिए जाने की भी मांग की। बैठक में प्रधान संरक्षक अमरनाथ सिंह, संरक्षक भगवान शंकर त्रिवेदी, प्रादेशिक उपाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, विजय कुमार सिंह, सुरेश चंद वैश्वार, उपाध्यक्ष ओपी त्रिपाठी, सुरेश मित्तल, रमेश चंद सिंह, जगदीश पांडेय, बच्चू लाल भारती, तारा सिंह आदि उपस्थित थे।

जिले-जिले जाकर पौधे लगाएंगे योगी के मंत्री, अयोध्या-आजमगढ़ में सीएम... बाराबंकी में राज्यपाल करेंगी पौधरोपण

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 9 जुलाई से पौधरोपण महाभियान-2025 शुरू होने जा रहा है। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके तहत एक दिन में पूरे प्रदेश में 37 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। सभी 75 जिलों में मंत्री पौधरोपण करेंगे। इससे पहले जनपदों में शासन स्तर के अधिकारियों को नोडल अफसर बनाया गया है। ये 8 जुलाई की सुबह जिलों में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेंगे। इसको लेकर वन विभाग के अधिकारी विभिन्न विभागों, मंत्रालयों से समन्वय स्थापित कर रहे हैं।

9 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या और आजमगढ़ में पौधरोपण करेंगे। उनके साथ वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक मौजूद रहेंगे। वहीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी में पौधरोपण करेंगी। इस मौके पर राज्यमंत्री सतीश शर्मा मौजूद रहेंगे। इसके अलावा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य- मेरठ और ब्रजेश पाठक- लखनऊ में पौधे लगाएंगे।

इन जिलों में ये मंत्री लगाएंगे पौधा

इसके अलावा कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना- शाहजहांपुर, सूर्यप्रताप शाही- अयोध्या, स्वतंत्र देव सिंह- गोरखपुर, बेबीरानी मौर्य- अलीगढ़, चौधरी लक्ष्मी नारायण- मथुरा, जयवीर सिंह- मैनपुरी, धर्मपाल सिंह- बरेली, नंदगोपाल गुप्ता नंदी- प्रयागराज, अनिल राजभर- आजमगढ़, राकेश सचान- कानपुर देहात, एके शर्मा- जौनपुर, योगेंद्र उपाध्याय- आगरा, आशीष पटेल- मीरजापुर, डॉ. संजय निषाद- अंबेडकरनगर, ओमप्रकाश राजभर- गाजीपुर, दारा सिंह चौहान- देवरिया, सुनील कुमार शर्मा- गाजियाबाद और अनिल कुमार- बिजनौर में पौधरोपण करेंगे। सात ही राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल- कानपुर नगर, कपिलदेव अग्रवाल- मुजफ्फरनगर, रविंद्र जायसवाल- वाराणसी, संदीप सिंह- एटा, गुलाब देवी- संभल, गिरीश यादव- प्रतापगढ़, धर्मवीर प्रजापति- झांसी, असीम अरुण- कन्नौज, जेपीएस राठौर- मुरादाबाद, दयाशंकर सिंह- बलिया, नरेंद्र कश्यप- हापुड़, दिनेश प्रताप सिंह- रायबरेली, दयाशंकर मिश्र दयालु- चंदौली में पौधरोपण महाभियान का हिस्सा बनेंगे।

सरकार ने बंद कर दिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट..., अखिलेश बोले- नालों का पानी व गंदगी सीधे नदियों में जा रही

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सपा मुख्यालय में अखिलेश यादव ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में भूमि अधिग्रहण और मुआवजे को लेकर सरकार को घेरा। कहा कि भाजपा के लोग जहां देखों जमीन कब्जा करने पहुंच जाते हैं। अयोध्या में लोगों के घर उजाड़े गए। उन्हें ठीक से मुआवजा भी नहीं मिला। गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर लोगों के घर उजाड़े गए।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा सरकार आस्था को व्यापार बना रही है। कारिडोर के नाम पर विरासत खत्म की जा रही है। गलियां खत्म की जा रही हैं। कारोबार या किसी भी प्रकार के आयोजन लोगों को आपस में जोड़ते हैं। मेले और पर्व हमें खुशियां देते हैं। लेकिन, ये लोग किसी को खुश नहीं देख सकते। इस सरकार में सभी अवैध काम हो रहे हैं। संगी साथी सब अवैध काम कर रहे हैं। आज पार्क, तालाब, ट्रस्टों में कब्जा किया जा रहा है।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद कर दिए गएः उन्होंने आगे कहा कि पूरे प्रदेश के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद कर दिए गए हैं। नालों का पानी और गंदगी सीधे नदियों में डाली जा रही है। बुंदेलखंड की नदियों को इतना खोद दिया गया कि हर जिले में सड़क पर, खेत के किनारे टीले बने हुए हैं। हमने सुना है कि नोएडा के लोगों की प्रति व्यक्ति आय जापान के लोगों से ज्यादा है। ये लोग इस तरह के आंकड़े लेकर आते हैं। अखिलेश यादव ने शिल्पग्राम में आयोजित किए गए तीन दिवसीय आम महोत्सव के आखिरी दिन आम लेने के लिए मची लूट पर सरकार की चुटकी ली। कहा कि यदि हादसे में किसी की मौत हो जाती, तो खबर बनती। ये सरकार किसी कार्यक्रम का आयोजन ठीक से नहीं कर पाती। मैनेजमेंट की कमी से आम लूटने के लिए भगदड़ मची।

कांवड़ियों के लिए कुछ नहीं कियाः सपा मुखिया ने आगे कहा कि ये सरकार आस्था के नाम पर सिर्फ वोट लेती है। 9 वर्षों में कांवड़ियों के लिए कुछ भी काम नहीं किया। सात हजार करोड़ से गोरखपुर के लिए एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। लेकिन, कांवड़ियों के लिए एक हजार करोड़ से कॉरिडोर नहीं बना पाई। मुख्यमंत्री ने अपने घर के लिए तो काम किया। लेकिन, कांवड़ियों के लिए कुछ नहीं किया।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, डिग्री को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

प्रयागराज , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को इलाहाबाद कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उनकी डिग्री को चुनौती देने वाली याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दी थी। अधिवक्ता दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने मौर्य की डिग्री को फर्जी बताते हुए क्रिमिनल रिवीजन याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ कर रही है।

दिवाकर त्रिपाठी ने केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री को फर्जी बताते हुए क्रिमिनल रिवीजन दाखिल किया था, जिसे कोर्ट ने सुनवाई के बाद 25 मई को आर्डर रिजर्व कर लिया था। सोमवार को क्रिमिनल रिवीजन याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।

युवती से दुष्कर्मः युवक ने नौकरी का झांसा देकर बुलाया, बेहोश कर किया अगवा, पीलीभीत में लूटी आबरू

बरेली, एजेंसी। बरेली के किला क्षेत्र निवासी युवती ने पीलीभीत के युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़िता ने एसएसपी से शिकायत कर कार्रवाई की गुहार लगाई। उनके आदेश पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीलीभीत के युवक ने बरेली के किला क्षेत्र निवासी युवती को नौकरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया और रुमाल में नशा सुंघाकर बेहोश कर दिया। कार में डालकर पीलीभीत ले गया। वहां जबरन निकाह कर युवती से दुष्कर्म किया। यह आरोप लगाकर युवती ने एसएसपी से कार्रवाई की गुहार लगाई। एसएसपी के आदेश पर प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

किला क्षेत्र निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि उसके फोन पर मोहल्ला पंजाबियान पीलीभीत निवासी सैफ शम्सी उर्फ शाना का कॉल आया। सैफ ने युवती को मीठी बातों में फंसा लिया और नौकरी लगवाने का झांसा दिया। सैफ ने कागजात लेकर लड़की को कोहाड़ापीर बुलाया। वहां सैफ ने युवती को रुमाल से नशा सुंघाकर बेहोश कर दिया, फिर कार में डालकर पीलीभीत ले गया।

फर्जी निकाहनामा पर दस्तखत न करने पर गला दबाने की कोशिशः सैफ, उसकी बहन, बहनोई, बड़ा भाई, मामा आदि लोग मौलवी को लेकर आए। पहले से छपा हुआ निकाहनामा देकर हस्ताक्षर करने को कहा। युवती के मना करने पर उसका गला दबाने की कोशिश की। युवती ने जान बचाने के लिए हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद सैफ ने तमंचा दिखाकर तीन-चार दिन तक दुष्कर्म किया। जब युवती के परिजनों को पता चला तो वह रिश्तेदारों को लेकर सैफ के घर गए। बड़ी मुश्किल से युवती को छुड़ाकर अपने साथ लाए। युवती ने एसएसपी से शिकायत की। उनके आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर प्रेमनगर पुलिस छानबीन कर रही है।

बाबा विश्वनाथ की आरती के टिकट फुल

भजन गाकर सुलाते हैं काशीवासी; डेढ़ करोड़ से अधिक भक्त आएंगे

वाराणसी,एजेंसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में सावन मास में बाबा विश्वनाथ की होने वाली सभी आरती के टिकट ऑनलाइन बुक हो चुके हैं। बाबा विश्वनाथ की पांच आरती होती है, जिसमें चार के लिए टिकट बुक होता है। जबकि रात में शयन आरती खुद काशीवासी करते हैं। इसमें कोई टिकट नहीं लगता है। सावन महीने की शुरुआत 11 जुलाई से हो रही है। नौ अगस्त तक सावन मास में प्रदेश सरकार ने प्रशासन को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मंदिर प्रशासन ने आरती में शामिल होने के लिए भक्तों की सुविधा के लिए ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा दी है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि इस सुविधा का लाभ उठाते हुए सावन में प्रतिदिन होने वाली सभी आरती के टिकट बुकिंग के स्लॉट फुल हो चुके हैं। मंगला आरती, भोग आरती, सप्तऋषि आरती, शृंगार/भोग आरती के टिकट बुक होते हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की विशेष बात यह है कि बाबा के शयन आरती की बुकिंग कभी नहीं होती। यह आरती विशेष रूप से काशी के स्थानीय निवासी करते हैं। परंपरा के अनुसार, रात को शयन आरती के समय काशी वासी बाबा को भजन गाकर खुद शयन कराते हैं।

सीएम ने प्रशासन को दिए निर्देशः बीते दिनों काशी आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में प्रशासन को निर्देश दिए थे कि सावन में श्रद्धालुओं को सुरक्षा, सुविधा, सफाई और उचित संसाधन उपलब्ध कराएं। किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

69 साल बाद बीएचयू ने दी दलाई लामा की डि.लिट डिग्री की कॉपी, इसे धर्मशाला के संग्रहालय में रखा जाएगा

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू ने बौद्ध धर्म के गुरु परमपावन दलाई लामा की 69 साल पहले गुम हुई डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डि.लिट) की डिग्री की दूसरी प्रति प्रदान की है। परमपावन के 90वें जन्मदिन पर रविवार को डिग्री की दूसरी प्रति बीएचयू के कार्यवाहक कुलपति प्रो. संजय कुमार और संयुक्त कुलसचिव ने तिब्बती संस्थान के कुलपति को पुनः दी। अब यह डिग्री धर्मशाला के संग्रहालय में रखी जाएगी। बौद्ध धर्म के गुरु परमपावन दलाई लामा को बीएचयू ने डॉक्टर ऑफ लेटर्स की डिग्री 1956 में दी थी। उस समय तिब्बत आजाद हुआ करता था। 1959 में दलाई लामा ने तिब्बत छोड़कर भारत में शरण ली। आशंका जताई जा रही है कि उसी समय उनकी यह डिग्री कहीं गुम हो गई। पिछले महीने संस्थान की कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा धर्मशाला में परम पावन के दर्शन के लिए अपने परिवार के साथ गई थीं। धर्मशाला के मैक्लॉडगंज में बने संग्रहालय में परम पावन के सारे सम्मान रखे गए हैं। वहां उन्होंने देखा कि बीएचयू द्वारा दिए गए सम्मान की फोटो तो लेकिन डिग्री नहीं है। संग्रहालय के निदेशक से वार्ता के दौरान पता चला कि वह डिग्री गुम हो गई है।

समर्थकों में खुशीः कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा के पति डॉ. अवधेश कुमार बीएचयू में संयुक्त रजिस्ट्रार हैं। वह भी साथ में ही थे। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह डिग्री की दूसरी प्रति दिलाने का प्रयास करेंगे। धर्मशाला से लौटकर आने के बाद उन्होंने प्रभारी कुलपति से इस संबंध में बात की।

गुर्दे की खराबी से युवाओं का ब्लड प्रेशर हाई, ये बातें जानना बेहद जरूरी

कानपुर, एजेंसी। गुर्दे में खराबी युवाओं का ब्लड प्रेशर हाई हो रहा है। चिंता की बात यह है कि इन रोगियों का ब्लड प्रेशर एक दवा से कम नहीं होता, उन्हें दो-तीन दवाएं या फिर दवाओं का कॉम्बिनेशन लेना पड़ता है। खराबी गुर्दे में पहले होती है और पता पहले ब्लड प्रेशर का चलता है। मल्टी सुपर स्पेशियलिटी एंड पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट के नेफ्रोलॉजी विभाग के सैंपल सर्वे में यह तथ्य पता चला है। रोगियों की जांच से पता चला है कि गुर्दे की छन्नियों और नसों में पहले खराबी आती है जिससे रेनिन नामक रसायन निकलता है, जो ब्लड प्रेशर बढ़ा देता है। नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. युवराज गुलाटी ने बताया कि ओपीडी में हर महीने औसत 1000 गुर्दा रोगी आते हैं। इनमें 100 रोगी ऐसे होते हैं, जिनका ब्लड प्रेशर बढ़ा होता है। उन्हें कई दवाएं बीपी के लिए देनी पड़ती हैं। इन रोगियों का आयु वर्ग 20 से 40 वर्ष के बीच होता है। इनके ब्लड प्रेशर बढ़ने का मुख्य कारण गुर्दे की खराब होना होता है। यह समस्या रोगी को पता नहीं होती। जांचों में गुर्दे की गड़बड़ी पकड़ में आती है। उन्होंने बताया कि गुर्दा रोग का यह एक नया तरह का ट्रेंड सामने आ रहा है। यह स्थिति बढ़ रही है। रोगियों की हिस्ट्री का अध्ययन किया गया तो कई तरह के बिंदु सामने आए हैं।

उन्होंने बताया कि कुछ में ऑटो इम्यून कारण होते हैं। शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली उसे नुकसान पहुंचाने लगती है। इससे रोगी के पेशाब से प्रोटीन निकलने लगता है। इससे गुर्दे में खराबी आती है और रेनिन तत्व का रिसाव शुरू हो जाता है। इसकी वजह से ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है। रेनिन का रिसाव होता रहता है तो बीपी जल्दी काबू में नहीं आता है। रोगी के पेशाब में खून भी आता है, लेकिन सामान्य तरीके से देखने पर यह पता नहीं चलता। जब माइक्रोस्कोप से देखा जाता है तो खून के कण दिखते हैं। इसके अलावा धूम्रपान, मोटापा भी गुर्दे में खराबी का बड़ा कारण होता है। रोगियों को बीमारी की असली वजह जांचों के बाद पता चल पाती है।

ऐसे होते हैं गुर्दे खराब

शरीर में रेनिन एल्ट्रोस्टेरोन सिस्टम होता है। इसमें गड़बड़ी होने पर पेशाब से प्रोटीन जाने पर शरीर में पानी और नमक का जमाव बढ़ने लगता है। इससे शरीर का ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। इसके अलावा गुर्दे की नसें सिकुड़ने लगती हैं और छन्नियां खराब हो जाती हैं। ऐसा कोई संक्रमण होने, धूम्रपान से शरीर में निकोटीन तत्व बढ़ने और कोलेस्ट्राल बढ़ने से होता है।

डीपीएल नीलामी में दिग्वेश राठी पर लगी भारी भरकम बोली, आईपीएल 2025 से ज्यादा मिलेंगे पैसे

नईदिल्ली (एजेंसी)। मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में भारी भरकम कीमत पर खरीदा गया है। हैरानी की बात यह है कि उन्हें डीपीएल में इंडियन प्रीमिर लीग (आईपीएल) 2025 से ज्यादा पैसे मिलेंगे। दिग्वेश को आईपीएल में 30 लाख रुपए में खरीदा गया था जबकि डीपीएल में उन पर 38 लाख रुपए की बोली लगी जिससे जोकि दूसरी सबसे ऊंची बोली थी।

दिग्वेश ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 38 लाख रुपए में खरीदा है। उन्हें खरीदने का मुख्य कारण आईपीएल में उनकी सफलता है। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर

जाइंट्स के लिए खेलते हुए दिग्वेश ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 14 विकेट अपने नाम किए और यही नीलामी में उनकी भारी भरकम बोली की एक बड़ी वजह रही। दिग्वेश ने आईपीएल 2025 में 13 मैचों में 52 ओवर डाले। इस दौरान उन्होंने 429 रन लुटाते हुए 30/2 के साथ 8.25 की इकोनॉमी से 14 विकेट चटकाए। राठी डीपीएल 2024 में भी खेल चुके हैं। उन्होंने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलते 10 मैचों में 7.82 की इकॉनमी रेट और 21.71 की गेंदबाजी औसत के साथ 14 विकेट लिए जो टूर्नामेंट में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले और स्पिनरों में दूसरे स्थान पर रहे। विशेष रूप से उन्होंने एक उच्च स्कोरिंग मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को नियंत्रण में रखा, जिसमें अतिरिक्त उछाल निकालने और रन फ्लो को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता का पता चलता है।

इस बीच तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह डीपीएल 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज गेंदबाज को 39 लाख रुपए में साइन किया। ऋषभ पंत को पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर नीलामी से पहले उन्हें अपने मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा था। इसके अलावा भारत के धमाकेदार ओपनर बल्लेबाज और पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपए की मोटी रकम में खरीदा।

संजोग गुप्ता आईसीसी के नए सीईओ बने

2500 उम्मीदवारों में चुने गए, ओलिंपिक में क्रिकेट को रेगुलर खेल बनाने का लक्ष्य

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने संजोग गुप्ता को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वे सोमवार से ही कार्यभार संभालेंगे। संजोग, आईसीसी के इतिहास में 7वें सीईओ होंगे। यह सिलेक्शन ऐसे समय हुई है जब क्रिकेट ओलिंपिक की ओर आगे बढ़ रहा है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने ऐलान करते हुए कहा, संजोग का खेलों की रणनीति और कॉमर्शियलाइजेशन को लेकर अनुभव, क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगा।

2,500 उम्मीदवारों में चुने गए –इस पद के लिए मार्च 2025 से 25 देशों से 2,500 से ज्यादा आवेदन आए। आईसीसी की एचआर और रेम्यूनरेशन कमेटी ने 12 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया। अंतिम चयन नॉमिनेशन कमेटी ने किया, जिसमें, आईसीसी डिप्टी चेयर इमरान ख्वाजा, ईसीबी चेयर रिचर्ड थॉम्पसन, श्रीलंका क्रिकेट प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया शामिल थे। यहां आईसीसी बोर्ड ने सर्वसम्मति से संजोग गुप्ता को चुना।

संजोग गुप्ता वर्तमान में जियो स्टार में स्पोर्ट्स और लाइव एक्सपीरिएंस के सीईओ हैं। उन्हें इस फील्ड में 20 साल से ज्यादा का अनुभव है। संजोग ने करियर की शुरुआत पत्रकार के रूप में की थी। 2010 में वे स्टार इंडिया से जुड़े। 2020 में डिज्नी स्टार के स्पोर्ट्स हेड बने। 2024 में वाइकाम-18 और डिज्नी स्टार के मर्जर के बाद जियो स्टार स्पोर्ट्स के सीईओ बने।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने क्या कहा – संजोग की मीडिया-एंटरटेनमेंट समझ बेहतरीन है। उनके पास क्रिकेट फैन की सोच को समझने की गहरी क्षमता है। हमारा लक्ष्य ओलिंपिक में क्रिकेट को रेगुलर खेल बनाना और क्रिकेट को कोर मार्केट से बाहर ले जाना है। संजोग इसमें अहम भूमिका निभाएंगे।

यह मेरे लिए सम्मान की बात है- संजोग – संजोग गुप्ता में कहा, यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं इस जिम्मेदारी को संभाल रहा हूं, खासकर उस समय जब क्रिकेट विस्तार की ओर है। दुनिया में करीब 2 अरब फैंस इस खेल को प्यार करते हैं। रु 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट की एंट्री, महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और टेक्नोलॉजी के तेज उपयोग। इन सब में मुझे योगदान देने का मौका मिलेगा। मैं आईसीसी के सभी मेंबर बोर्ड्स के साथ मिलकर क्रिकेट के अगले चरण में योगदान देना चाहता हूं।

आईसीसी के एजेंडे में क्या है आगे?

क्रिकेट को अधिक देशों में पहुंचाना।

महिला क्रिकेट को मेनस्ट्रीम में लाना।

फैन एक्सपीरियंस को बेहतर करना।

ओलिंपिक में स्थायी एंट्री पाना।

डिजिटल और टेक्नोलॉजी के जरिए युवा दर्शकों से जुड़ना।

विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं नंबर-1 एरिना सबालेंका

- जर्मनी की लौरा सिगमंड भी जीतीं
- मेंस डबल्स में वर्ल्ड नंबर-3 जोड़ी उलटफेर का शिकार

बेलारुस (एजेंसी)। विंबलडन के राउंड ऑफ 16 मुकाबलों में रविवार को वर्ल्ड नंबर-1 एरिना सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने विमेंस सिंगल्स के मैच में बेल्जियम की एलिस मर्टेंस को सीधे सेट में हरा दिया। मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-5 टेलर फिट्ज ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना लिया।

विमेंस सिंगल्स में 3 प्लेयर्स जीतीं – वर्ल्ड नंबर-1 बेलारूस की एरिना सबालेंका न मर्टेंस को 6-4, 7-6 (7-4) के अंतर से हरा दिया। विमेंस सिंगल्स में उनके अलावा रूस की एनास्तासिया पाव्ल्यूचेंकोवा ने ब्रिटेन की सोनाय कार्टाल को 7-6 (7-3), 6-4 से हराया। वहीं जर्मनी की लौरा सिगमंड ने अर्जेंटीना की सोलाना सिएरा को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

मेंस डबल्स में नंबर-1 जोड़ी जीतीं –मेंस डबल्स में अर्जेंटीना के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पाविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंचा भारत

- ऑस्ट्रेलिया वेस्टइंडीज को हराकर नंबर-1
- इंग्लैंड 12 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर

दुबई (एजेंसी)। टीम इंडिया ने 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) साइकल में पहली जीत दर्ज की है। भारत ने इंग्लैंड को एजबेस्टन टेस्ट में 336 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत को 12 डब्ल्यूटीसी अंक मिले और उनका पॉइंट परसेंटेज (पीसीटी) 50.00 हो गया है। भारत अब डब्ल्यूटीसी टेबल में इंग्लैंड के साथ तीसरे स्थान पर है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया है। टीम ने वेस्टइंडीज को उन्हीं के घर पर लगातार 2 टेस्ट हराए हैं। ऑस्ट्रेलिया के 24 पॉइंट्स हैं। दूसरे नंबर पर बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में हारने वाली श्रीलंकाई टीम है। श्रीलंका के 2 मैच में एक ड्रॉ और एक जीत के साथ 16 पॉइंट्स हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 की बढ़त ले ली है। तीसरा टेस्ट मैच किंग्स्टन में 13 जुलाई से खेला जाएगा।

डब्ल्यूटीसी टेबल की सिचुएशन

- डब्ल्यूटीसी 2025-27 की शुरुआत श्रीलंका-बांग्लादेश के पहले मैच से हुई। यह मैच ड्रॉ रहा था। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच हेडिंग्ले से इस सीरीज की शुरुआत की। टीम को में 5 विकेट से हार मिली थी।
- न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका ने इस सीजन अभी एक भी टेस्ट नहीं खेला है।

- ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर- 100 प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज, वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीत ली है, एक मैच बाकी है।
- श्रीलंका दूसरे स्थान पर- 66.67प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज, बांग्लादेश के खिलाफ 1 जीत और 1 ड्रॉ।
- भारत और इंग्लैंड तीसरे और चौथे- संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। दोनों के 50.00प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज हैं। सीरीज में अभी 3 मैच बाकी है।
- बांग्लादेश पांचवें स्थान पर- श्रीलंका के खिलाफ एक ड्रॉ और एक हार के बाद बांग्लादेश 16.67प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज के साथ पांचवें स्थान पर है।
- वेस्टइंडीज छठे स्थान पर- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैच हारने के बाद वेस्टइंडीज 0 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं।
- न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका- अभी तक डब्ल्यूटीसी 2025-27 साइकिल की शुरुआत नहीं की है।

आकाशदीप ने एजबेस्टन में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया, कमिंस को पछाड़ बने नम्बर 1 गेंदबाज

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट मैच में हरा कर एतिहास रच दिया। भारत की और से बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल ने दोनो पारियो में कुल मिलाकर 430 रन बनाए जिसमें पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाकर अच्छी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। वही भारत की गेंदबाजी से आकाशदीप ने इस मैच में कुल 10 विकेट अपने नाम किए जिसमें पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट शामिल थे। इसी के साथ ही आकाशदीप बर्मिंघम में चौथी पारी में इंग्लैंड के खिलाफ पारी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में पैट कमिंस का रिकॉर्ड तोड़ा है।

आकाशदीप ने बर्मिंघम में टेस्ट मैच की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले मेहमान तेज गेंदबाज बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन में आकाशदीप ने दूसरी पारी में 6/99 के शानदार स्पेल से केवल इंग्लैंड की बल्लेबाजी को तहस-नहस किया बल्कि टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय भी लिख दिया।

आकाशदीप के प्रभावशाली आंकड़ों ने बर्मिंघम में चौथी पारी में किसी मेहमान तेज गेंदबाज द्वारा किए गए पिछले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया जो 2019 के बाद से पैट कमिंस (4/32) के नाम था। कमिंस के अलावा तीसरे नम्बर पर क्लाइव लॉयड, चौथे पर वसीम अकरम और पांचवें पर भारत के वेंकटेश प्रसाद हैं जिन्होंने 2-2 विकेट लिए हैं।

गौर हो एजबेस्टन टेस्ट की तो भारत ने पहली इनिंग में गिल के दोहरे शतक की बदौलत 587 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड 407 रन पर ढेर हो गई और भारत ने 180 रन की बढ़त बनाई। दूसरी इनिंग में भी टीम ने 427/6 का बड़ा स्कोर बनाते हुए इंग्लैंड को 608 रनों का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में इंग्लिश टीम अपनी दूसरी इनिंग में सिर्फ 271 रन ही बना पाई और ऐसे टीम इंडिया ने ये मैच 336 रनों से जीता। पांच मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर है जिसका तीसरा टेस्ट लॉड्स में खेला जाएगा।

बर्मिंघम में चौथी पारी में विदेशी तेज गेंदबाज द्वारा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े : (सभी इंग्लैंड के खिलाफ)

6/99 – आकाशदीप (2025)*
4/32 – पैट कमिंस (2019)
2/26 – क्लाइव लॉयड (1973)
2/41 –वसीम अकरम (1987)
2/50 – वेंकटेश प्रसाद (1996)
2/61 – इमरान खान (1987)
2/71 – ज्योफ अलॉट (1999)
2/74 – जसप्रीत बुमराह (2022)

इस भारतीय ने मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया, हार के बाद आया स्टोक्स का बयान

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने स्वीकार किया कि भारत ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में खेल के हर विभाग में उनकी टीम से बेहतर प्रदर्शन किया तथा तेज गेंदबाज आकाशदीप के 'अविश्वसनीय कौशल ने मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया। श्रृंखला में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे आकाशदीप ने 10 विकेट लेकर भारत की 336 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत की इस मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में यह पहली जीत है। पांच मैच की श्रृंखला अब 1-1 से बराबर है और तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि आकाश ने कल रात और आज सुबह पिच पर पड़ी दरार का अच्छा इस्तेमाल किया। लगातार कोण बदलने और उसका उपयोग करने की उसकी क्षमता अद्भुत है और फिर भी वह इतना सटीक है। वह उस दरार पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। आज सुबह हैरी ब्रूक जिस गेंद पर आउट हुआ उस पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता था। उन्होंने कहा, 'जब जेमी स्मिथ ने शुरुआत में कुछ रन बनाए, तब मैं दूसरे छोर पर खड़ा था। गेंद एक फुट की दूरी पर थी।

लगातार असफलताओं के बावजूद मौका मिल रहा, पूर्व क्रिकेटर ने इंग्लैंड के ओपनर की आलोचना की

बर्मिंघम। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह भाग्यशाली हैं जो उन्हें लगातार असफलताओं के बावजूद टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका मिल रहा है। उन्होंने इसके साथ यह भी सुझाव दिया कि क्रॉली को भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बल्लेबाजी की रणनीति से सीख लेनी चाहिए और अपने खेल में सुधार करना चाहिए।

वॉन ने अपने कॉलम में लिखा, 'पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने प्रशंसकों को निराश किया है। इनमें मैं भी शामिल हूं लेकिन वह (क्रॉली) सबसे ज्यादा निराश करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें मैं याद कर सकता हूं। जब से मैंने इंग्लैंड की क्रिकेट को करीब से देखा है तब से वह सबसे भाग्यशाली खिलाड़ी है जिसे लगातार असफलताओं के बावजूद इतने अधिक टेस्ट मैच खेलने को मिले। उन्होंने कहा, 'उन्हें खुद को भाग्यशाली मानना चाहिए कि उन्होंने 56 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने सिर्फ 5 शतक बनाए हैं और उनका औसत 31 का है। टेस्ट इतिहास में 2,500 से अधिक रन बनाने वाले सभी सलामी बल्लेबाजों में उनका औसत सबसे कम 30.3 है क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस खिलाड़ी ने गिल का उदाहरण देते हुए कहा, 'बदलाव संभव है। शुभमन गिल को ही देख लीजिए। इस श्रृंखला से पहले उनका औसत 35 था और अब और चार पारियों के बाद उनका औसत 42 है। उन्होंने अपनी मानसिकता और रणनीति के कारण ऐसा किया है। उन्होंने जान लिया था कि वह ख्ख्ख् के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने अपने डिफेंस पर काम किया और अब परिणाम सबके सामने है।%

डीपीएल नीलामी में सहवाग के बेटे पर लगी 8 लाख की बोली, 39 लाख में सबसे महंगा बिका ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में दिग्गज भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे और स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के भतीजे को खरीदा गया। सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपए की मोटी रकम में खरीदा। 18 साल का आर्यवीर दिल्ली अंडर 19 क्रिकेट टीम का हिस्सा है। दूसरी ओर, कोहली के भतीजे, जिनका नाम भी आर्यवीर है, को डीपीएल 2024 की उप-विजेता साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 1 लाख रुपए में खरीदा है।

इस बीच तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह डीपीएल 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज गेंदबाज पर बड़ी रकम खर्च करने में संकोच नहीं किया और उन्हें 39 लाख रुपए में साइन किया। सिमरजीत के ठीक पीछे, मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश सिंह को दूसरी सबसे ऊंची बोली मिली। दिग्वेश को साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 38 लाख रुपए में खरीदा।

दिल्ली प्रीमियर लीग के 2024 संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को आगामी सत्र के लिए बनाए रखने की घोषणा की थी, नीलामी से पहले उन्हें अपने मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा था। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और पूरे लीग चरण में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

44 साल के हुए धोनी: थाला के शानदार करियर, उपलब्धियों और रिकॉर्ड्स पर डालें नजर

नई दिल्ली- थाला कैप्टन कूल नाम से जाने जाते महान विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी सोमवार को 44 साल के हो गए है। हाल ही में आईसीसी हॉल ऑफ फेमर में शामिल होने धोनी अपने शांत स्वभाव और अपनी सामरिक उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, ने 2004 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण से लेकर अब तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (ष्ट्स्य्) के साथ अपने करियर के इन आखिरी कुछ वर्षों के दौरान अपनी अलग छाप छोड़ी है।

भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 आउट और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैचों के साथ धोनी न केवल दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि एक क्रांतिकारी भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट के अलावा, वे पहले विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक थे जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि विकेटकीपर वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे समय में जब विकेटकीपर से कैचिंग और स्टंपिंग की न्यूनतम आवश्यकता होती थी, धोनी ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी दिग्गज की निरंतरता और भूख के साथ रन बनाते हुए सीमा को और आगे बढ़ाया। उन्होंने युवराज सिंह और सुरेश रैना के साथ एक मजबूत मध्य-क्रम बनाया।

वनडे क्रिकेट

धोनी का सबसे मजबूत प्रारूप वनडे है। उन्होंने 350 वनडे में 50.57 की औसत से 10,773 रन बनाए। उन्होंने भारत के लिए 10 शतक और 73 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183* रहा। वे वनडे में भारत के छठे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं (सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ शीर्ष पर हैं)। तथ्य यह है कि वे निचले क्रम में आते हुए 50 से ज़्यादा की औसत से 10,000 से ज़्यादा रन बनाने में सफल रहे जिससे उनके आंकड़े और भी आश्चर्यजनक हो जाते हैं। उन्होंने 200 वनडे मैचों में भारत का नेतृत्व किया जिसमें 110 जीते और

74 हारे, पांच मैच बराबर रहे, जबकि 11 का कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी जीत का प्रतिशत 55 है। धोनी ने कप्तान के तौर पर भारत के लिए ढ्ढष्टष्ट क्रिकेट विश्व कप 2011 और ढ्ढष्टष्ट चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जीती है।

टी20 क्रिकेट

चेन्नई सुपर किंग्स के थाला (नेता) के रूप में मशहूर धोनी ने भारत के लिए 98 टी20आई खेले जिसमें उन्होंने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। उन्होंने इस प्रारूप में दो अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रहा है। वे भारत की आईसीसी टी20 विश्व विजेता 2007 विजेता टीम के विजयी कप्तान थे। माही ने 72 टी20आई में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें 41 जीते, 28 हारे, एक टाई रहा और दो असफल रहे। उनकी जीत का प्रतिशत 56.94 है।

टेस्ट क्रिकेट

क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप टेस्ट के करियर की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए, जिसमें 224 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ वह सभी युगों में भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। धोनी ने टीम इंडिया को टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचाया। वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को वाइटवॉश करने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान भी हैं, उन्होंने ऐसा 2010-11 और 2012-13 सीरीज में किया था।